मनेन्द्रगढ़
06 मई 2026 बुधवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

बंगाल में नई सरकार का शपथग्रहण 9 मई को

● इसी दिन टैगोर की 165वीं जयंती; तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस्तीफा दिया

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी/चेन्नई,एजेंसी। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल के इतिहास में पहली बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। BJP प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के मुताबिक नई सरकार का शपथग्रहण 9 मई को होगा।

इसी दिन रवींद्र नाथ टैगोर की 165वीं जयंती है। दरअसल बांग्ला कैलेंडर के मुताबिक यह तिथि 25 वैशाख को होती है। जो आमतौर पर मई के दूसरे हफ्ते में पड़ती है। शपथग्रहण में कौन-कौन आएगा, सीएम कौन होगा, अभी इनका खुलासा नहीं हुआ है।

इधर, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने बताया कि इस्तीफा राज्य के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के ऑफिस भेजा गया है। विधानसभा चुनाव में 59 सीटें जीतने के बाद स्टालिन ने कहा कि DMK एक मजबूत विप पार्टी के तौर पर काम करेगी।

राहुल गांधी ने कहा- कांग्रेस और दूसरी पार्टियों के लोग, जो ञ्रस्ष्ट की हार पर खुश हो रहे हैं कि वे छोटी-मोटी राजनीति छोड़ दें। यह किसी एक पार्टी के बारे में नहीं बल्कि पूरे भारत के बारे में है।

देश की 78% आबादी और 72% भूभाग पर अब भाजपा+ का राज

गंगासागर से कन्याकुमारी तक पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने भाजपा विरोधी राजनीति के बड़े 'पॉवर सेंटर्स' को बड़ा झटका दिया है। ममता बनर्जी और एमके स्टालिन भाजपा को चुनौती देने वाले प्रमुख चेहरे थे।

बंगाल (42) और तमिलनाडु (39) लोकसभा की 81 सीटें तय करते हैं। इनके ढहने से इंडिया गठबंधन पिछड़ गया। केरल में कांग्रेस की जीत उसे राहत देती है, लेकिन यह बढ़त विपक्ष में नई खींचतान शुरू करेगी।अब विपक्ष की लड़ाई सत्ता की नहीं, प्रासंगिकता बचाने की हो गई है।

यूपी-बिहार में आंधी-बिजली से 24 घंटे में 31 मौतें

हरियाणा में तूफान से 15 हजार पेड़ उखड़े राजस्थान में पारा 8डिग्री तक गिरा

नई दिल्ली/चंडीगढ़/ पटना, एजेंसी। राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में चक्रवात बनने से देश के बड़े हिस्से में मौसम बदल गया है। दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश से लेकर तमिलनाडु तक ट्रफ बनी हुई है, जिससे उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का असर है।

पिछले 24 घंटे में बिहार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के राज्यों में आंधी और तेज बारिश हुई। यूपी में आंधी-बारिश की वजह से 8 लोगों की मौत हो गई। पीलीभीत में ईंट-भट्ठे की 100 फीट ऊंची चिमनी ढह गई। गाजीपुर में कच्चे मकान की दीवार ढह गई।बिहार में सोमवार को 22 जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश हुई। बिजली गिरने से 7 बच्चों समेत 23 लोगों की मौत हो गई। 2 महिलाएं झुलस गईं। आज 18 जिलों तेज बारिश का अलर्ट है।

राजस्थान में सोमवार को तापमान में 8डिग्री की गिरावट आई। जयपुर समेत कई शहरों को अधिकतम तापमान 35डिग्री से कम रहा। हरियाणा में तेज आंधी से 15 हजार से ज्यादा पेड़ उखड़ गए।

हिमाचल प्रदेश के सोलन का तापमान सोमवार को 4.8डिग्री रहा। यह मई महीने का अब तक का सबसे कम तापमान है। इससे पहले 14 मई 2021 को 9.4डिग्री तापमान रहा था। ताबो का पारा 3.5डिग्री और कुकुमसेरी का 4.1डिग्री रहा।

राहुल गांधी का पीए बताकर उत्तराखंड की महिला से ठगी

टिकट दिलाने का आश्वासन देकर भरोसे में लिया, प्रदेश के बड़े नेताओं की सुनाई आवाज

देहरादून,एजेंसी। देहरादून में ठग ने राहुल गांधी का पीए बताकर महिला से 25 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। आरोपियों ने विधानसभा चुनाव में टिकट दिलाने का भरोसा देकर महिला को झांसे में लिया।

इस दौरान आरोपी ने महिला को प्रदेश के बड़े नेताओं की आवाज भी सुनाई। भरोसा जीतने के बाद अलग-अलग बहानों से उससे बड़ी रकम वसूली गई, जिसके बाद आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा।

पीड़िता के अनुसार, जब वादा पूरा नहीं हुआ तो महिला को ठगी का एहसास हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पूरे नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है।

प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की सुनाई आवाज

पीड़िता भावना पांडे ने बताया कि 13 अप्रैल 2026 को आरोपी ने राहुल गांधी का पीए बताकर उनसे संपर्क किया। विश्वास दिलाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, यशपाल आर्य, हरक सिंह रावत और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल की आवाज भी सुनाई। जिससे महिला आरोपी के झांसे में आ गई। आरोपियों ने पांच सितारा होटल में विधायकों के ठहरने और विधानसभा से जुड़े खर्च का हवाला देकर उनसे पैसे मांगे।

'कुछ कांग्रेसी टीएमसी की हार पर खुश हो रहे': अपनों पर बरसे राहुल गांधी, भाजपा की जीत को बताया लोकतंत्र पर हमला

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे जनादेश की चोरी करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह कदम भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के मिशन का एक बड़ा हिस्सा है। साथ ही उन्होंने बंगाल में टीएमसी की हार पर अपनी ही पार्टी के कुछ नेताओं के खुश होने पर भी कड़ी आलोचना की।

राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'कांग्रेस के कुछ लोग और अन्य लोग तृणमूल की हार पर खुशी मना रहे हैं। उन्हें यह साफ तौर पर समझने की जरूरत है कि असम और बंगाल के जनादेश की चोरी भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के भाजपा के मिशन में एक बड़ा कदम है।'

राहुल गांधी ने अपनी बात जारी रखते हुए आगे कहा, 'छोटी-मोटी राजनीति को किनारे रख दें। यह किसी एक पार्टी या दूसरी पार्टी के बारे में नहीं है। यह भारत के बारे में है।'

वोट चोरी पर क्या बोले राहुल गांधी? भाजपा ने पश्चिम बंगाल में दो तिहाई बहुमत के साथ अगली सरकार बनाने की तैयारी कर ली है। इसके साथ ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस का 15 साल पुराना शासन खत्म हो गया है। इससे पहले राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वोट चोरी के आरोपों का भी समर्थन किया था।

राहुल गांधी ने कहा, 'असम और बंगाल चुनाव के नतीजे चुनाव आयोग के समर्थन से भाजपा द्वारा चुराए गए जनादेश के स्पष्ट मामले हैं। हम ममता जी से सहमत हैं। बंगाल में 100 से अधिक सीटें चुराई गई हैं। हमने यह पहले भी मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और लोकसभा चुनाव 2024 में देखा है।'

बंगाल की कौनसी सीट पर दोबारा होगा चुनाव? पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 196 है। चुनाव आयोग ने सोमवार को 293 सीटों के परिणाम घोषित किए।

यूएई में 3 भारतीयों के घायल होने पर भारत नाराजः

मोदी बोले:इसे स्वीकार नहीं करेंगे; ऑयल पोर्ट पर ईरान ने हमला किया था

तेल अवीव/तेहरान,एजेंसी। यूएई के फुजैराह में ऑयल पोर्ट पर हुए हमले को लेकर भारत ने नाराजगी जताई है। सरकार ने कहा कि तीन भारतीयों का घायल होना गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

भारत ने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा बंद करने और आम लोगों को निशाना न बनाने को कहा है। भारत ने कहा कि हालात को संभालने का सही रास्ता बातचीत और कूटनीति है, ताकि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बनी रहे।

भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बिना रुकावट जारी रहनी चाहिए।इससे पहले यूएई ने दावा किया था कि हमला ईरान की तरफ से हुआ था। उन्होंने 12

बैलिस्टिक मिसाइल, 3 क्रूज मिसाइल और 4 ड्रोन को रोकने में कामयाबी पाई। हालांकि ईरान ने यूएई के इस आरोप पर कोई जवाब नहीं दिया है।पीएम मोदी ने भी इस घटना को लेकर पोस्ट किया और कहा कि आम लोगों और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ईरान बोला- ट्रम्प ने होर्मुज में जहाजों को खतरे में डालाः

ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद गालीबाफ ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने होर्मुज में जहाजों की आवाजाही और ऊर्जा सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प का 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' सीजफायर का उल्लंघन है और इससे इस इलाके में नाकेबंदी जैसी स्थिति बन गई है।कालीबाफ ने चेतावनी देते हुए कहा कि मौजूदा हालात ज्यादा देर तक नहीं चल सकते। उन्होंने कहा कि ईरान ने अभी अपनी पूरी ताकत दिखाई भी नहीं है।

रियाणा के नूंह सड़क दुर्घटना में यूपी जालौन जिले में तैनात चार पुलिसकर्मियों समेत पांच की मौत

उरई/चंडीगढ,एजेंसी। हरियाणा के नूंह जिले में मंगलवार की सुबह कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ओवरटेक के चक्कर में एक अन्य वाहन से टकरा गई। इस हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के चार जवान समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी पुलिसकर्मी उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के मुख्यालय उरई में तैनात थे।

बताया गया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उत्तर प्रदेश पुलिसकर्मियों की काली स्कॉर्पियो पलवल की ओर जा रही थी। तावडू सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धुलावट टोल प्लाजा के पास सुबह करीब साढ़े दस बजे कार के ड्राइवर ने सामने जा रहे एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन तेज रफ्तार के कारण वह संतुलन खो बैठा और उसने सामने के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिस पर सवार सभी पांच लोग फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा। पांचों लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू टीम

को मशक्कत करनी पड़ी।

नूंह जिले के तावडू थाना प्रभारी शीशराम यादव ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए थे और पांचों लोग गाड़ी के मलबे में बुरी तरह फंसने से काल के गाल में समा गए।

चीन के हुनान में पटाखा फैक्टरी में बड़ा विस्फोट 21 लोगों की दर्दनाक मौत, 61 घायल

बीजिंग ,एजेंसी । मध्य चीन के हुनान प्रांत से एक बेहद दर्दनाक और खौफनाक खबर सामने आई है। यहां की एक पटाखा फैक्ट्री में अचानक हुए भयानक विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया है। इस दिल दहला देने वाले हादसे में अब तक 21 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 61 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के इलाकों में भारी तबाही मच गई और आसमान में धुएं का गुबार छा गया। इस भीषण त्रासदी के बाद प्रशासन ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया है और राहत व बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

अंतर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह भयानक हादसा हुनान प्रांत के लियुयांग इलाके में सोमवार शाम करीब 4 :40 बजे हुआ। पटाखा फैक्ट्री में हुए इस विस्फोट के तुरंत बाद हुनान प्रांत के प्रशासन ने अपना आपातकालीन प्रतिक्रिया प्लान (इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्लान) लागू कर दिया।

आम आदमी को बड़ी राहत

सरकार ने दिया भरोसा, नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस के दाम

नई दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने सोमवार को यह भरोसा दिया कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद घरेलू एलपीजी और ईंधन की आपूर्ति स्थिर और निर्बाध बनी हुई है।

एलपीजी की कोई किल्लत नहीं: पेट्रोल, डीजल और एलपीजी सिलिंडरों की खुदरा कीमतें बढ़ाने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। सरकार ने यह भी बताया कि घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सामान्य है और रविवार को इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 99 प्रतिशत हो गई।पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में बताया कि खुदरा आउटलेट पर एलपीजी की कोई किल्लत नहीं है।जबकि एलपीजी के लिए ऑइनलाइन बुकिंग अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर है। जबकि ईंधन के मामले में अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें अपरिवर्तित हैं।कच्चे तेल का भंडार पर्याप्त रूप से बनाए रखा गया है। जबकि रिफाइनरियां अपनी अधिकतम क्षमता के साथ काम कर रही हैं।

तीन वनकर्मियों का शिकार करने वाले बाघ 'विक्रम' की मौत

21 साल जीवित रहकर बनाया रिकॉर्ड, नैनीताल चिड़ियाघर का पिंजड़ा तोड़कर निकला था बाहर

नैनीताल,एजेंसी। उत्तराखंड के नैनीताल में स्थित जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के ढेला रेंज के रेस्क्यू सेंटर में रखे गए नर बाघ 'विक्रम' की मौत हो गई है, जिसे देश के सबसे उम्रदराज बाघों में गिना जाता था। करीब 21 साल की उम्र तक जीवित रहकर विक्रम ने एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया। सामान्य तौर पर बाघों की उम्र जहां सीमित मानी जाती है। वहीं विक्रम ने इस सीमा को पार कर वन्यजीव जगत में अपनी अलग पहचान बनाई।

कॉर्बेट प्रशासन के मुताबिक, प्रथम दृष्टया उसकी मौत का कारण वृद्धावस्था माना जा रहा है। लंबे समय से रेस्क्यू सेंटर में रह रहा विक्रम अब इतिहास का हिस्सा बन गया है, लेकिन उसकी कहानी हमेशा याद रखी जाएगी।

खूंखार शिकारी के तौर पर थी पहचान: विक्रम की पहचान सिर्फ एक उम्रदराज बाघ के रूप में नहीं, बल्कि एक 'खूंखार शिकारी' के रूप में भी रही है। साल 2019 में ढिकाला जोन में इस बाघ ने तीन वनकर्मियों को अपना शिकार बनाया था। उस समय क्षेत्र में घास बेहद ऊंची थी और कई बाघ मौजूद थे। जिससे

असली हमलावर की पहचान करना बेहद मुश्किल हो गया था, लेकिन विक्रम के विशालकाय शरीर और गतिविधियों के आधार पर उसे चिन्हित किया गया। इसके बाद कॉर्बेट प्रशासन ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे ट्रेंकुलाइज कर पकड़ लिया।

तीन वनकर्मियों का शिकार करने के बाद विक्रम को खुले जंगल में छोड़ना खतरे से खाली नहीं था। ऐसे में उसे रेस्क्यू सेंटर में ही रखा गया। करीब 7 साल तक उसने कैद में जीवन बिताया। इस दौरान उसकी देखभाल बेहद बेहतर तरीके से की गई। भोजन में उसे ताजा मांस, विटामिन और मिनरल सप्लीमेंट दिए जाते थे। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए उसके सैंपल बरेली स्थित आईवीआरआई (भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान) भेजे जाते थे।

15 नवंबर 2019 को पकड़ा गया था खूंखार शिकारी: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि विक्रम को 15 नवंबर 2019 को ढिकाला रेंज से रेस्क्यू किया गया था। इसके बाद उसे नैनीताल चिड़ियाघर भेजा गया। शरीर से हष्ट पुष्ट विक्रम चिड़ियाघर में भी पिंजरा तोड़कर बाहर आ गया था। 20 अप्रैल 2021 को उसे वापस कॉर्बेट के ढेला रेंज स्थित रेस्क्यू सेंटर में स्थानांतरित किया गया, जहां उसकी विशेष निगरानी में देखभाल की जा रही थी।

कोटा बूंदी में आवारा कुत्तों के हमले से 9 साल की बच्ची की मौत, स्पीकर ओम बिरला ने बढ़ाया मदद का हाथ

बूंदी , एजेंसी। राजस्थान के बूंदी जिले के एक छोटे से गांव में मंगलवार को इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई, जहां महज 9 साल की एक मासूम बच्ची आवारा कुत्तों के झुंड का शिकार बन गई। यह हादसा सिर्फ एक परिवार ही नहीं, पूरे गांव के लिए ऐसा जख्म बन गया है, जो शायद ही कभी भर पाए।

खेतों तक गई थी, लौटकर नहीं आई : जानकारी के मुताबिक, बच्ची रोज की तरह सुबह घर से खेतों की ओर शौच के लिए निकली थी। लेकिन उस दिन किस्मत ने उसके साथ ऐसा क्रूर खेल खेला कि वह कभी वापस नहीं लौट सकी। खेतों के पास पहले से घूम रहे आवारा कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। मासूम की चीखें खेतों में गूंजती रहीं, लेकिन मदद पहुंचने से पहले ही सब कुछ खत्म हो चुका था।

खामोशी में डूबा गांव, हर आंख नम : घटना के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। हर गली, हर चौपाल पर बस उसी मासूम की चर्चा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मां की चीखें और पिता की खामोशी इस दर्द को और गहरा बना रही है। गांव के लोग भी इस हादसे से अंदर तक हिल चुके हैं।

ओम बिरला पहुंचे, परिवार को ढांढस बंधाया : इस हृदयविदारक घटना की खबर मिलते ही कोटा-बूंदी क्षेत्र के सांसद और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सोमवार को पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

तत्काल आर्थिक सहायता, आगे और मदद का भरोसा : ओम बिरला ने मौके पर ही परिवार को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता सौंपी। इसके साथ ही उन्होंने जनसहयोग से अतिरिक्त 1 लाख रुपये दिलाने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि परिवार को हर जरूरी सहायता तुरंत उपलब्ध कराई जाए।

प्रशासन को सख्त निर्देश, रोकथाम के उपाय जरूरी : घटना की गंभीरता को देखते हुए ओम बिरला ने जिला कलेक्टर को सख्त निर्देश दिए कि आवारा कुत्तों के हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए प्रशासन को तत्काल प्रभाव से योजना बनानी होगी।

सवालों के घेरे में व्यवस्था

यह घटना एक बार फिर ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा और स्वच्छता की व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। खुले में शौच के लिए जाना आज भी कई गांवों की मजबूरी है, जो ऐसे खतरों को जन्म देता है। साथ ही, आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या भी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है।

एक मासूम की मौत, कई सवाल छोड़ गई

9 साल की उस बच्ची की असमय मौत ने पूरे समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया है। क्या हम अपने बच्चों को सुरक्षित माहौल दे पा रहे हैं? क्या प्रशासनिक व्यवस्था इतनी कमजोर हो गई है कि एक मासूम की जान यूं ही चली जाए? इस दर्दनाक हादसे ने न सिर्फ एक परिवार से उनकी दुनिया छीन ली, बल्कि पूरे समाज के सामने एक कड़वी सच्चाई भी रख दी है—कि लापरवाही और व्यवस्था की कमी की कीमत अक्सर सबसे मासूम जिंदगी को चुकानी पड़ती है।

गोद लेने संबंधी कार्यवाही पर जिला मजिस्ट्रेट को है निर्णय लेने का अधिकार, बांबे हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

मुंबई, एजेंसी। बांबे हाई कोर्ट ने किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम में संशोधन को उचित ठहराते हुए सोमवार को कहा कि जिला मजिस्ट्रेट को दत्तक ग्रहण या गोद लेने संबंधी कार्यवाही की सुनवाई और निर्णय लेने का अधिकार है। हाई कोर्ट ने किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम में किए गए संशोधन को चुनौती देने वाली दो दंपतियों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसके तहत गोद लेने का आदेश जारी करने की शक्ति न्यायालयों से जिला मजिस्ट्रेटों (कार्यकारी अधिकारियों) को हस्तांतरित कर दी गई थी। संशोधन में न्यायालय शब्द को कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट (कार्यकारी अधिकारी) शब्दों से बदला गया है। जस्टिस भारती डांगरे और जस्टिस मंजुषा देशपांडे की पीठ ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा कानून के प्रविधानों को लागू करने और भावी दत्तक माता-पिता की पात्रता निर्धारित करने में कोई कठिनाई नहीं दिखती है। हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि जिला मजिस्ट्रेट बच्चों के कल्याण में कार्य करने और सहायता करने के लिए पूरी तरह से उपयुक्त हैं और याचिकाकर्ताओं की धारणा गलत है। यह संशोधन गोद लेने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए किया गया था और इसमें कुछ भी अवैध नहीं है। किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम के तहत गोद लेने की प्रक्रिया के लिए वैध आदेश की आवश्यकता होती है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि गोद लेने की मंजूरी देना न्यायिक कार्य है जिसे किसी कार्यकारी प्राधिकरण, जैसे कि जिला मजिस्ट्रेट को नहीं सौंपा जा सकता है, जिसके पास आवश्यक विशेषज्ञता न हो। हाई कोर्ट ने कहा, जिला मजिस्ट्रेट द्वारा दत्तक ग्रहण प्रक्रिया से निपटने में सक्षम न होने के संबंध में याचिकाकर्ताओं द्वारा व्यक्त की गई आशंका निराधार है।

हार की जिम्मेदारी मेरी है, राजस्थान के दिग्गज कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह ने असम प्रभारी पद से दिया इस्तीफा

जयपुर , एजेंसी। भारतीय राजनीति में जहां अक्सर हार के बाद आरोप-प्रत्यारोप और जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति देखने को मिलती है, वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भंवर जितेंद्र सिंह ने एक अलग राह चुनते हुए सियासी हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। असम विधानसभा चुनाव 2026 में पार्टी की करारी हार के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए असम के प्रभारी महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस कदम ने दिल्ली से लेकर राजस्थान तक राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

हार के तुरंत बाद लिया बड़ा फैसला : चुनाव नतीजों के सामने आते ही कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन ने पार्टी नेतृत्व को झटका दिया। इसी के तुरंत बाद भंवर जितेंद्र सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा सौंप दिया। यह कदम ऐसे समय में आया है जब पार्टी के भीतर हार के कारणों को लेकर मंथन शुरू ही हुआ था। सिंह का इस्तीफा इस मंथन के बीच एक सशक्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

मैं लेता हूं पूरी जिम्मेदारी : भंवर जितेंद्र सिंह ने अपने इस्तीफे के साथ एक भावनात्मक पत्र भी सार्वजनिक किया, जिसमें उन्होंने हार के लिए किसी और को जिम्मेदार ठहराने के बजाय खुद को जवाबदेह माना। उन्होंने लिखा कि चुनाव परिणाम पार्टी की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे और कार्यकर्ताओं की मेहनत को सफलता में बदलने में वे असफल रहे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, मैं इन नतीजों की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।उनका यह बयान उस राजनीतिक संस्कृति से अलग माना जा रहा है, जहां हार के बाद अक्सर ईवीएम, रणनीति या स्थानीय समीकरणों पर सवाल उठाए जाते हैं।

राजनीति में नैतिकता की मिसाल : भंवर जितेंद्र सिंह के इस कदम को कांग्रेस के भीतर और बाहर एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

यूपी-बिहार में आंधी-बारिश और वज्रपात का

नई दिल्ली , एजेंसी। तेज आंधी, बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात ने भारी तबाही मचाई। इस कारण हुए हादसों में उत्तर प्रदेश में 24 और बिहार में 20 लोगों की मौत हो गई। बड़ी संख्या में लोग जख्मी हो गए।

सब्जियों की फसल को भारी नुकसान : मौसम के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा। आंधी से बिजली के खंभे गिरने और तार टूटने से सैकड़ों गांवों की आपूर्ति ठप हो गई। इससे कई जगह सड़कें बाधित रहीं और आम, गेहूं व सब्जियों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा।

लखनऊ समेत करीब 50 से अधिक जिलों में अलर्ट : उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच पिछले एक सप्ताह से रुक-रुककर वर्षा का दौर जारी है। सोमवार को लखनऊ समेत करीब 50 से अधिक जिलों में सुबह साढ़े आठ बजे के आसपास आसमान में काले बादल छा गए और सुबह साढ़े आठ बजे ही अंधेरा छा गया। गरज-चमक के साथ तेज हवा और बारिश होने लगी। इस दौरान सड़कों पर चलने वाले वाहनों को लाइट जलानी पड़ी। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को प्रदेश के पूर्वी से लेकर पश्चिमी हिस्सों तक तेज आंधी, मध्यम से भारी बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। 60 जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। 40 से अधिक जिलों में वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है। बिहार में औरंगाबाद, गया, रोहतास, भोजपुर, वैशाली, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी व बगहा में भारी नुकसान हुआ है।

नोएडा में आसमान छूएंगे जमीन के दाम आवंटन दरों में बड़ी वृद्धि की तैयारी

नोएडा , एजेंसी। नोएडा ने जमीन खरीदना अब और महंगा होने जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण ने आवासीय, संस्थागत, औद्योगिक आदि संपत्तियों की आवंटन दरें 11 प्रतिशत बढ़ाने का निर्णय लिया है। नई दरें एक-दो दिन में लागू हो जाएंगी। बीते वर्षों में आवासीय आदि संपत्तियों में करीब पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी होते आ रही थी। इस बार सबसे अधिक वृद्धि करने की तैयारी है। नोएडा में हर साल संपत्ति महंगी होती जा रही है। शहर में मध्यम वर्ग के लोगों के लिए संपत्ति खरीदना सपने जैसा होता जा रहा है। मांग अधिक होने की वजह से प्राधिकरण भी आवंटन दरें हर वर्ष बढ़ा रहा है। इसी कम में अब आवासीय, औद्योगिक, संस्थागत, ग्रुप हाउसिंग आदि संपत्ति की आवंटन दरों में 11 प्रतिशत बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया गया है। नई दरों को लेकर कार्यालय आदेश इसी सप्ताह जारी हो जाएगा। ऐसे में कुछ दिन बाद से प्राधिकरण संपत्तियों का आवंटन नई दरों के हिसाब से करेगा। आवंटन रेट बढ़ने का असर प्राधिकरण में हस्तांतरण होने वाली संपत्ति के शुल्क पर भी पड़ेगा। यह शुल्क भी महंगा हो जाएगा। गौरतलब है कि इस महीने ग्रेटर नोएडा ने भी संपत्ति की दरों में करीब साढ़े तीन प्रतिशत बढ़ोत्तरी करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों का कहना है कि प्राधिकरण की ओर से कराए कराने वाले काम पर खर्च यानि कोस्टिंग चार्ज अधिक आने की वजह से इस बार अधिक प्रतिशत में संपत्ति की दरें बढ़ाने का निर्णय गया है। औद्योगिक संपत्तियों में भी 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया गया है। फेज-1 में चार हजार वर्ग मीटर तक के औद्योगिक भूखंड का आवंटन रेट 55,880 रुपये प्रति वर्ग मीटर तय किया गया है। फेज-2 में 60 हजार वर्ग मीटर से बड़े भूखंड का शुल्क 20 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर रखा गया है।

व्यावसायिक संपत्तियों के दाम नहीं बढ़ेंगे : प्राधिकरण की हर श्रेणी की संपत्ति बिक रही है। खरीदार आरक्षित मूल्य से कई गुना अधिक बोली लगाकर उसको प्राप्त कर रहे हैं। इन सबके बीच व्यावासयिक संपत्ति खरीदने के लिए खरीदार आगे नहीं आ रहे। इस वजह से प्राधिकरण ने इस बार भी व्यावसायिक संपत्ति की दरों में कोई इजाफा नहीं करने का निर्णय लिया है।

भारत-जमैका संबंधों में क्रिकेट की अहम भूमिका, जयशंकर ने सबीना पार्क में इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड का किया अनावरण

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और जमैका के संबंधों में क्रिकेट की अहम भूमिका का जिक्र किया और कहा कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट सेतु का काम करता है। उन्होंने भारत की तरफ से इस कैरेबियाई देश को उपहार में दिए गए इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड के अनावरण के मौके पर यह बात कही। जयशंकर ने रविवार को यहां ऐतिहासिक क्रिकेट मैदान सबीना पार्क में इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड के अनावरण कार्यक्रम में कहा कि क्रिकेट भारत और जमैका के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करता है और भारत में एक अरब से ज्यादा लोग इस खेल को पूरे जुनून के साथ देखते हैं। उन्होंने कहा, खेल साझा अनुभव और आपसी सम्मान को बढ़ावा देकर देशों को करीब लाते हैं। जहां तक भारत और जमैका की बात है तो क्रिकेट का इसमें खास महत्व है। इस मौके पर जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस भी मौजूद रहे। जयशंकर ने कहा कि इस मैदान से भारतीय क्रिकेट की खास यादें जुड़ी हैं, जिसमें दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का शतक और 2011 में विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण शामिल है। उन्होंने जमैका की समृद्ध क्रिकेट विरासत का भी जिक्र किया और कहा कि जार्ज हेडली, माइकल होल्डिंग, कर्टनी वॉल्श, क्रिस गेस और एंड्रयू रिचर्डसन जैसे महान खिलाड़ियों के इस देश को विश्व स्तर पर अपार सम्मान प्राप्त है। जयशंकर जमैका, सूरीनाम व त्रिनिदाद और टोबैगो की अपनी नौ दिवसीय यात्रा के तहत शनिवार शाम किंगस्टन पहुंचे।

वहां भी गए, जहां भारतीयों के पड़े पहले कदमजमैकन ग्लीनर अखबार में रविवार को प्रकाशित एक लेख में जयशंकर ने कहा कि भारत और जमैका के बीच संबंध निरंतरता व बदलाव से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा, आज लगभग 70 हजार भारतीय मूल के लोगों का एक समुदाय दोनों देशों के बीच एक जीवंत सेतु का काम करता है।

व्हाइट हाउस के बाहर हमलावर और सुरक्षाबलों में मुठभेड़, अमेरिका का राष्ट्रपति आवास किले में तब्दील

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में मंगलवार दोपहर नेशनल मॉल के पास एक हथियारबंद संदिग्ध और सीक्रेट सर्विस के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद व्हाइट हाउस को कुछ समय के लिए लॉकडाउन पर रखा गया। हथियारबंद संदिग्ध द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर फायरिंग किए जाने के बाद जवाबी कार्रवाई में उसे गोली मार दी गई, जबकि क्रॉसफायर की चपेट में आने से एक किशोर राहगीर भी घायल हो गया।दरअसल, यह घटना दोपहर करीब 3ः30 बजे हुई, जब व्हाइट हाउस परिसर की बाहरी सीमा पर गश्त कर रहे सादे कपड़ों में मौजूद सीक्रेट सर्विस के कर्मियों ने एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की, जिसके पास हथियार होने का अंदेशा था।कुछ दूर भागने के बाद चलाई गोलीडिप्टी डायरेक्टर मैट क्विन ने बताया कि हथियारबंद संदिग्ध से निपटने के लिए वर्दीधारी अधिकारियों को बुलाया गया। इस दौरान संदिग्ध कुछ दूर पैदल भागा और हथियार निकाला और हमारे एजेंटों और अधिकारियों की ओर गोली चला दी। इस दौरान सुरक्षाकर्मयों नेजवाबी गोलीबारी की और उससे भिड़ गए। उस व्यक्ति को गोली लगी। संदिग्ध को अस्पताल ले जाया गया, हालांकि अधिकारियों ने कहा कि उसकी हालत पर उनकी कोई टिप्पणी नहीं है। इस गोलीबारी के दौरान एक राहगीर को भी गोली लगी है। अधिकारियों के अनुसार, राहगीर को संदिग्ध ने ही गोली मारी थी।यह गोलीबारी व्हाइट हाउस से कुछ ही दूरी पर स्थित 15वीं स्ट्रीट और इंडिपेंडेंस एवेन्यू के पास हुई। सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने बताया कि संदिग्ध कुछ समय से उनकी निगरानी में था, गोलीबारी के बाद, सीक्रेट सर्विस ने व्हाइट हाउस के नॉर्थ लॉन पर मौजूद पत्रकारों को अंदर जाने का आदेश दिया।

लगाना पड़ा लॉकडाउन: इस दौरान कुछ ही मिनटों में लॉकडाउन हटा लिया गया, और राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईस्ट रूम के अंदर पहले से निर्धारित एक छोटे व्यवसाय से जुड़े कार्यक्रम को जारी रखा। ट्रंप ने सीधे तौर पर इस गोलीबारी का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने अपनी टिप्पणी का इस्तेमाल राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को उजागर करने के लिए किया। यह घटना उस समय हुई जब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का काफिला पास के इलाके से गुजरा था, हालांकि अधिकारियों ने राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति को सीधे तौर पर निशाना बनाए जाने की पुष्टि नहीं की है। सीक्रेट सर्विस ने पुष्टि की कि घटनास्थल से एक हथियार बरामद किया गया है और कहा कि मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग बल प्रयोग की घटना की जांच का नेतृत्व करेगा।

हिमाचल पुलिस का 'वॉच एंड पेट्रोल' मॉडल शिमला के बाद मनाली, सोलन और मैक्लोडगंज में लागू

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश पुलिस की 'वॉच एंड पेट्रोल' पहल अब राज्य के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों तक विस्तार की ओर बढ़ रही है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में शुरू की गई यह पहल पहले शिमला के मॉल रोड पर लागू की गई थी, जहां इसे लोगों और पर्यटकों से अच्छा प्रतिसाद मिला। अब इस मॉडल को मनाली, सोलन और मैक्लोडगंज जैसे पर्यटन स्थलों पर भी लागू किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि इस पहल के तहत पुलिस जवानों को औपचारिक वर्दी में प्रमुख स्थानों पर तैनात किया जाता है। उनकी भूमिका केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, वे पर्यटकों की सहायता करने, उन्हें सही दिशा बताने और जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद उपलब्ध कराने का काम भी करते हैं। पुलिस का यह दोस्ताना और सहयोगी रवैया लोगों में भरोसा बढ़ाने में मदद कर रहा है। प्रवक्ता के मुताबिक मॉल रोड, शिमला में इस व्यवस्था के सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। यहां आने वाले पर्यटकों ने पुलिस की तत्परता और व्यवहार की सराहना की है, जिससे उनके बीच सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। इसी अनुभव को देखते हुए पुलिस विभाग ने इसे अन्य पर्यटन स्थलों तक विस्तार देने का फैसला किया है। राज्य के डीजीपी अशोक तिवारी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश को एक सुरक्षित और पर्यटक-मित्र राज्य के रूप में स्थापित करना है। साथ ही, यह प्रयास पुलिस की छवि को एक मददगार और भरोसेमंद संस्था के रूप में मजबूत करने की दिशा में भी अहम माना जा रहा है।

प.बंगाल में भाजपा की जीत के दुनिया भर में चर्चे: अमेरिका-ब्रिटेन से पाक तक मीडिया ने पीएम मोदी को सराहा, जानें अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के रिएक्शन

लंदन/वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत ने सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मिली इस सफलता को अंतरस्त्रराष्ट्रीय मीडिया अमेरिका-ब्रिटेनसे लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश तक बड़े राजनीतिक बदलाव के रूप में देख रहा है। बीबीसी, द न्यूयॉर्क टाइम्स और डॉन जैसे प्रमुख संस्थानों ने इसे 'ऐतिहासिक' और 'निर्णायक मोड़' बताया है, जिससे भारत की राजनीति में नई दिशा तय होने की बात कही जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इन चुनाव नतीजों को भारत की राजनीति में बड़ा बदलाव बताया है, जहां एक तरफ भाजपा ने अपना विस्तार किया है, वहीं दूसरी तरफ नए नेताओं और पार्टियों का उदय भी देखने को मिला है। ब्रिटेन के बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि बंगाल में भाजपा की जीत मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, यह सिर्फ एक चुनाव जीत नहीं, बल्कि पूर्वी भारत में पार्टी के विस्तार का बड़ा कदम है।

वहीं द गार्डियन ने कहा कि पश्चिम बंगाल लंबे समय से विपक्ष का मजबूत गढ़ था, लेकिन अब भाजपा की जीत से देश की राजनीति पर बड़ा असर पड़ेगा और विपक्ष को झटका लगेगा।

अमेरिका के दी न्यू यौर्क टाइम्स ने इस जीत को 'ऐतिहासिक' बताया। रिपोर्ट में कहा गया कि भाजपा ने पहली बार इतने बड़े राज्य में सत्ता हासिल कर नया इतिहास बनाया है। द वॉशिंगटन पोस्ट ने मोदी के तिक स्थिति और मजबूत होगी।

श्रीलंका पहुंचा भारतीय INS सिंधुकेसरी, कोलंबो में हुआ शानदार स्वागत

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय नौसेना की पनडुब्बी सिंधुकेसरी एक दौरे के तहत कोलंबो बंदरगाह पहुंच गई है। श्रीलंका की नौसेना ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा। श्रीलंका की नौसेना ने रविवार को भारतीय पनडुब्बी के आगमन पर पूरे नौसैनिक परंपराओं के साथ उसका स्वागत किया। पनडुब्बी के चालक दल के श्रीलंका की नौसेना द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने का कार्यक्रम है, जिसमें देश के कई पर्यटन स्थलों की यात्रा भी शामिल है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ÷भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस सिंधुकेसरी एक दौरे पर कोलंबो के बंदरगाह पहुंची।

रंगों से सजी स्वच्छता की राह: बच्चों की रंगोली ने दिया साफ-सुथरे शहर का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी शहर में स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से एक अनूठा और प्रेरणादायक रंगोली अभियान आयोजित किया गया, जिसमें स्कूली बच्चों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया इस आयोजन ने न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाया बल्कि नागरिकों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी पैदा की। अभियान में विभिन्न निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंग-बिरंगी आकर्षक रंगोलियों के माध्यम से स्वच्छ शहर, स्वस्थ जीवन जैसे संदेशों को प्रमुखता से उकेरा गया। यह पहल स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी को दर्शाती है और जनभागीदारी की ताकत को उजागर करती है।

15 से अधिक विद्यालयों की उल्लेखनीय भागीदारी: इस अभियान में 15 से अधिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई प्रमुख रूप से गांधी हाई स्कूल, अबोध बाल निकेतन, ज्योत्सना स्कूल, क्राइस्ट ज्योति, श्री गणेश विद्यालय अमहा, राधा कृष्ण विद्यालय, आचार्या पब्लिक स्कूल, ज्योति हाई स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर (सीधी एवं करौंदिया), ज्ञानस्थली विद्या मंदिर, एकलव्य पब्लिक स्कूल, यूसीएन मास, रुक्मिणी राइजिंग स्कूल और गुरुकुल विद्या मंदिर मडरिया के विद्यार्थियों ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाया इन विद्यालयों के छात्रों ने अपनी कल्पनाशीलता और कला कौशल का परिचय देते हुए स्वच्छता से जुड़े विभिन्न संदेशों को रंगोलियों के माध्यम से सजीव रूप दिया।

सैकड़ों प्रतिभागियों ने बढ़ाया उत्साह: कार्यक्रम में कुल 660 बच्चों 151 शिक्षकों और 88 अभिभावकों ने भाग लेकर इसे एक सामूहिक उत्सव का रूप दिया सभी प्रतिभागियों ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवनशैली और संस्कार का हिस्सा होना चाहिए। इस अवसर पर बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। रंगों से सजे हाथ और स्वच्छता के प्रति जागरूकता से भरे विचारों ने पूरे वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

शहर के प्रमुख स्थान बने स्वच्छता के कैनवास: रंगोली अभियान के तहत शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों को चुना गया जहां स्वच्छता संदेशों को उकेरा गया।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू 15 से 29 मई तक ऑनलाइन पंजीयन का अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सीधी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है प्राचार्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 29 मई 2026 की रात्रि 11:45 बजे तक ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत 15 मई से 02 जून 2026 तक चॉइस फिलिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी इस दौरान छात्र अपनी रुचि और करियर लक्ष्य के अनुसार संस्थान एवं शाखा का चयन कर सकेंगे यह प्रक्रिया विद्यार्थियों को बेहतर विकल्प चुनने का अवसर प्रदान करती है जिससे वे तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सही दिशा में आगे बढ़ सकें। महाविद्यालय में वर्तमान में कम्प्यूटर साइंस एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन जैसी महत्वपूर्ण शाखाएं संचालित हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने में सहायक होते हैं। जो अभ्यर्थी प्रथम चरण में किसी कारणवश शामिल नहीं हो पाएंगे उनके लिए द्वितीय चरण की काउंसलिंग 09 जून 2026 से प्रारंभ की जाएगी इसके अलावा महाविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों की सुविधा के लिए विशेष मार्गदर्शन व्यवस्था भी की गई है ताकि उन्हें पंजीयन, चॉइस फिलिंग और काउंसलिंग से जुड़ी सभी जानकारियां आसानी से प्राप्त हो सकें। प्राचार्य ने बताया कि पॉलीटेक्निक डिप्लोमा करने के बाद छात्रों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं तकनीकी शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी अपने करियर को मजबूत बना सकते हैं और भविष्य में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण करें ताकि उन्हें प्रवेश से संबंधित किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में विधायक रीती पाठक की सक्रिय भागीदारी रात्रि सफाई में किया श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी शहर में स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली जब विधायक रीती पाठक ने रात्रिकालीन सफाई अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। गांधी चौराहा पहुंचकर उन्होंने न केवल सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया बल्कि स्वयं सफाई कर्मियों के साथ श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की। विधायक के इस कदम ने स्थानीय नागरिकों और उपस्थित लोगों के बीच सकारात्मक संदेश प्रसारित किया आमतौर पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित रहती है लेकिन इस अवसर पर रीती पाठक ने खुद झाड़ू उठाकर सफाई अभियान में भाग लेकर जनभागीदारी का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया।

सफाई कर्मियों से संवाद, बढ़ाया उत्साह : रात्रिकालीन अभियान के दौरान विधायक ने सफाई कर्मियों से आत्मीय संवाद उन्होंने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इन कर्मियों का कार्य अक्सर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में होता है इसलिए समाज के हर वर्ग को उनके श्रम का सम्मान करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों की समस्याओं को भी गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए उनके इस व्यवहार से सफाई कर्मियों का मनोबल काफी बढ़ा और उन्होंने भी स्वच्छता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।

स्वच्छता ही सेवा का संकल्प: कार्यक्रम के दौरान विधायक ने उपस्थित नागरिकों को 'स्वच्छता ही सेवा' का संकल्प दिलाया उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है यदि हर व्यक्ति अपने घर गली और आसपास के सार्वजनिक स्थलों की सफाई के प्रति जागरूक हो जाए तो शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाना आसान हो जाएगा।

हाइवा ने बाइक को रौंदा, पिता-पुत्र की मौत

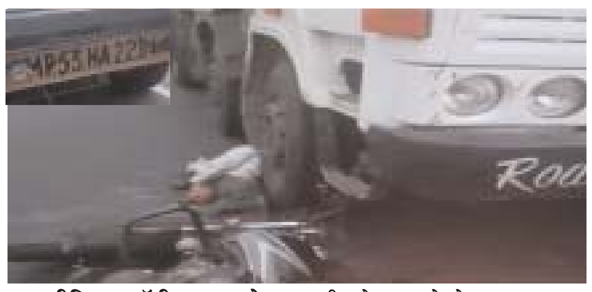

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के देवलौंद थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई घटना में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। रेत से लदे तेज रफ्तार हाइवा वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी थी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम चौरी निवासी ईश्वर दीन खैरवार (62) और उनके बेटे गंगा सिंह खैरवार (45) अपने भतीजे रामकुशल के साथ बाइक से बुढ़वा से ब्यौहारी की ओर जा रहे थे ।

रॉन्ग साइड से आ रही हाइवा ने टक्कर मार दी: ग्राम जगमल स्थित शिव शक्ति आश्रम के पास पहुंचते ही, विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार हाइवा वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईश्वर दीन और गंगा सिंह की मौके पर ही मौत हो गई हादसे में रामकुशल गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन लंबे समय से जारी है और प्रशासन इस पर लगाम लगाने में विफल रहा है लोगों का कहना है कि ओवरलोड और तेज रफ्तार हाइवा वाहन लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं।

पुलिस ने हाइवा वाहन को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि पुलिस ने अभी अवैध रेत परिवहन के आरोपों की पुष्टि नहीं की है गौरतलब है कि एक दिन पहले ही ब्यौहारी क्षेत्र में एक अन्य सड़क हादसे में बोरवेल वाहन की चपेट में आने से एक प्रेग्नेंट महिला और उसके 6 साल की बेटे की मौत हो गई थी।

पेट्रोल पंप संचालकों को सख्त निर्देश: नियमों का पालन नहीं करने पर होगी कार्रवाइ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के चुरहट एवं रामपुर नैकिन क्षेत्र में पेट्रोल पंपों के संचालन को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से उपखंड अधिकारी विकास आनंद द्वारा पेट्रोल पंप डीलरों एवं मैनेजरों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई इस बैठक में संचालन से जुड़े विभिन्न नियमों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के कड़ाई से पालन के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उपखंड अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिन पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा डायवर्सन का वार्षिक रेंट अभी तक जमा नहीं किया गया है, वे इसे शीघ्र जमा करें। उन्होंने कहा कि शासकीय नियमों का पालन सुनिश्चित करना सभी संचालकों की जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उपखंड अधिकारी ने प्रत्येक पेट्रोल पंप पर उपयोग योग्य शौचालय की अनिवार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने और प्राथमिक चिकित्सा किट रखने को भी आवश्यक बताया गया उन्होंने कहा कि ये सुविधाएं न केवल उपभोक्ताओं के लिए जरूरी हैं बल्कि पंप की समग्र व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा भी हैं। सुरक्षा के मद्देनजर सभी पेट्रोल पंपों पर अग्निशामक यंत्रों को पूर्णतः कार्यशील स्थिति में रखने के निर्देश दिए गए इसके साथ ही आपातकालीन सेवाओं के संपर्क नंबरों की सूची प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करने को कहा गया ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके। उन्होंने खुले बर्तन या डब्बों में पेट्रोल एवं डीजल देने पर सख्त प्रतिबंध लगाने के निर्देश भी दिए। यह कदम दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि प्रत्येक पेट्रोल पंप पर डेंसिटी मीटर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और निर्धारित मानकों के अनुरूप ही ईंधन की आपूर्ति की जाए उपभोक्ताओं के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए हर लेन-देन पर रसीद देना अनिवार्य बताया गया। उपखंड अधिकारी ने कहा कि इन नियमों का पालन करने से उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ेगा और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। बैठक के अंत में विकास आनंद ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि कोई भी पेट्रोल पंप संचालक निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी यह बैठक क्षेत्र में पेट्रोल पंपों के संचालन को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और उपभोक्ता हितैषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा रही है।

कलेक्टर ने खुद चलाया जनगणना प्रचार रथ: जागरूकता अभियान की शुरुआत

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सोमवार शाम 5 बजे जनगणना जागरूकता अभियान की शुरुआत की उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर से प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाने के बाद स्वयं उसकी ड्राइविंग सीट संभाली और रथ को रवाना किया यह पहल राष्ट्रीय जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। जनसंपर्क संचालनालय भोपाल की ओर से उपलब्ध कराए गए जनगणना प्रचार रथ के माध्यम से जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा यह रथ जिले के सभी विकासखंडों, गांवों और शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को जनगणना के महत्व प्रक्रिया और इसके लाभों से अवगत कराएगा कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की यह सक्रिय भागीदारी जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से है। कलेक्टर ने जिलेवासियों से जनगणना-2027 के तहत 1 मई से 30 मई तक चलने वाले मकान सूचीकरण कार्य में सहयोग की अपील की। उन्होंने बताया कि इस दौरान 33 प्रकार की जानकारियां एकत्र की जाएंगी जो भविष्य की योजनाओं के निर्माण और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक होंगी। उन्होंने नागरिकों से सही और पूर्ण जानकारी प्रदान करने का आग्रह किया। डॉ. केदार सिंह ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह भी दी उन्होंने कहा कि जानकारी देने से पहले संबंधित अधिकारी या कर्मचारी का पहचान पत्र अवश्य जांच लें ताकि किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बचा जा सके उन्होंने जनगणना को सफल बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया।

प्राकृतिक आपदा के पीड़ित परिवारों को राहत: दो मृतकों के परिजनों को 8 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के सिहावल उपखंड में प्राकृतिक आपदाओं से हुई मौतों के बाद प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने की दिशा में प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आर्थिक सहायता स्वीकृत की है उपखंड अधिकारी सिहावल राजेश कुमार शुक्ला द्वारा दो मृतकों के परिजनों को शासन के निर्धारित प्रावधानों के तहत कुल 8 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की मंजूरी दी गई है प्रशासन द्वारा दी गई इस सहायता में प्रत्येक मृतक के निकटतम वारिस को 4-4 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है यह कदम ऐसे कठिन समय में प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने और उनके जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में मददगार माना जा रहा है।

डूबने की घटनाओं में दो लोगों की हुई थी मौत: प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील सिहावल के ग्राम तरका निवासी सुन्दरलाल प्रजापति की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी इस दुखद घटना के बाद उनके निकटतम वारिस पिता रणजीत प्रजापति को शासन की राहत योजना के अंतर्गत 4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार ग्राम हटवा के निवासी विवेक यादव की कुएं में गिरने से डूबकर मृत्यु हो गई थी इस मामले में उनके निकटतम वारिस माता उर्मिला यादव को भी 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। दोनों ही घटनाएं क्षेत्र में गहरा शोक छोड़ गईं वहीं प्रशासन द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई ने पीड़ित परिवारों को कुछ हद तक राहत पहुंचाने का कार्य किया है।

प्रशासन की प्राथमिकता: त्वरित राहत और सहायता: जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है ऐसी परिस्थितियों में आर्थिक सहायता न केवल तत्काल जरूरतों को पूरा करने में सहायक होती है बल्कि पीड़ित परिवारों को मानसिक और सामाजिक संबल भी प्रदान करती है। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार की घटनाओं में प्रभावित परिवारों को नियमानुसार त्वरित सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

मानवीय संवेदनाओं के साथ प्रशासनिक पहल: प्राकृतिक आपदाएं अक्सर अचानक और अप्रत्याशित होती हैं जो परिवारों को गहरे संकट में डाल देती हैं ऐसे समय में प्रशासन की यह पहल मानवीय संवेदनाओं के साथ-साथ उत्तरदायित्वपूर्ण शासन का उदाहरण प्रस्तुत करती है। स्थानीय स्तर पर लोगों ने भी प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। यह कदम न केवल राहत प्रदान करने का माध्यम है बल्कि यह विश्वास भी दिलाता है कि संकट की घड़ी में शासन उनके साथ खड़ा है इस प्रकार सिहावल उपखंड में की गई यह पहल पीड़ित परिवारों के लिए राहत का संदेश लेकर आई है और प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली को भी दर्शाती है।

गैस एजेंसी पर चोरी का आरोप भरे सिलेंडर से गैस निकालकर खाली में भर रहे कर्मचारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों में कथित गैस चोरी का मामला सामने आया हैं गैस एजेंसी के कर्मचारी भरे हुए सिलेंडरों से गैस निकालकर खाली सिलेंडरों में भरते दिख रहे हैं शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने इस संबंध में जिला प्रशासन को एक पत्र सौंपा है उन्होंने आरोप लगाया है कि 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडरों से अवैध रूप से गैस निकालकर 19 और 35 किलोग्राम के व्यावसायिक सिलेंडरों में भरी जा रही है इन व्यावसायिक सिलेंडरों को बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा जाता है। पांडे के अनुसार इस प्रक्रिया से आम उपभोक्ताओं को मिलने वाले सिलेंडरों में 2 से 3 किलोग्राम तक गैस कम हो जाती है इससे उपभोक्ताओं को सीधा आर्थिक नुकसान हो रहा है।

गैस ट्रांसफर करते दिखा कर्मचारी: सीधी शहर की प्रताप गैस एजेंसी का बताया जा रहा है इसमें एक व्यक्ति लगातार तीन सिलेंडरों में गैस ट्रांसफर करते हुए देखा जा सकता है यह कृत्य उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है और सुरक्षा की दृष्टि से भी जोखिम भरा है जिससे किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है।

रेड क्रॉस स्थापना दिवस पर छात्राओं को मिला जीवनरक्षक प्रशिक्षण सीपीआर और प्राथमिक उपचार की दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रेड क्रॉस स्थापना दिवस के अवसर पर सीधी जिले के शासकीय कन्या महाविद्यालय में छात्राओं के लिए एक दिवसीय सीपीआर एवं प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ. पी. नामदेव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में सेवा मानवता और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करने की भावना विकसित करना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक जीवनरक्षक तकनीकों की जानकारी दी गई जिससे वे किसी भी दुर्घटना या आकस्मिक स्थिति में तुरंत मदद कर सकें।प्रशिक्षण सत्र के दौरान डॉ. आराधना मिश्रा ने छात्राओं को प्राथमिक उपचार के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी उन्होंने घाव की देखभाल, रक्तस्राव को रोकने के उपाय, हड्डी टूटने की स्थिति में प्राथमिक सहायता तथा जलने पर किए जाने वाले उपचार के बारे में सरल और प्रभावी तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय सही जानकारी और त्वरित निर्णय लेना अत्यंत आवश्यक होता है जिससे घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण रहा इस दौरान छात्राओं को हृदय गति रुकने की स्थिति में छाती दबाने और कृत्रिम श्वसन देने की विधियों का प्रदर्शन कर व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि समय पर दिया गया सीपीआर किसी भी व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है छात्राओं ने भी इस प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी दिखाते हुए तकनीकों को समझा और अभ्यास किया कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रतिमा कौल ने अपने संबोधन में कहा कि प्राथमिक उपचार का ज्ञान हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है उन्होंने कहा कि कई बार दुर्घटनाओं में शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं।

अपेक्षित और अप्रत्याशित

संपादकीय

पांच राज्यों के चुनाव नतीजे इसलिए भाजपा का अतिरिक्त उत्साहवर्धन करने वाले हैं, क्योंकि उसने असम में तीसरी बार कहीं बड़े अंतर से जीत हासिल की।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में से जहां असम, केरलम और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के परिणाम अपेक्षा के अनुरूप सिद्ध हुए, वहीं पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के नतीजे अप्रत्याशित रहे। बंगाल और तमिलनाडु के नतीजों ने इसलिए चौंकाया, क्योंकि जहां बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के सत्ता विरोधी माहौल का सामना करने के बाद भी इसकी आशा शायद ही किसी को रही हो कि उसके लिए सौ सीटों तक पहुंचना भी कठिन हो जाएगा और भाजपा दो सौ सीटों के निकट पहुंच जाएगी, वहीं तमिलनाडु में नए बने दल टीवीके के बारे में कम ही लोगों ने कमजोर सा अनुमान लगाया था कि वह सत्ता के निकट पहुंच जाएगी। बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में स्टालिन की पराजय यह बताती है कि जो क्षेत्रीय नेता अपनी सत्ता को खुद की निजी जागीर में बदल लेते हैं, उन्हें जनता अधिक समय तक सहन नहीं करती। तमिलनाडु में टीवीके के जोसेफ विजय ने वह कर दिखाया, जो एक समय आंध्र में एनटी रामाराव और दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने किया था- पहली बार में ही बंपर जीत।

विजय की जीत का महत्व इसलिए भी है कि उन्होंने छह दशक बाद द्रविड़ दलों को तमिलनाडु की सत्ता से बाहर कर दिया। बंगाल में भी भाजपा ने कांग्रेस, वाम दलों के लंबे शासन के बाद 15 वर्षों तक शासन करने वाली तृणमूल कांग्रेस को बाहर का दरवाजा दिखा दिया। बंगाल में प्रचंड जीत के साथ ही भाजपा ने पूर्वोत्तर के साथ पूर्वी भारत पर बढ़त हासिल कर ली।

बंगाल में जो राजनीतिक लड़ाई कांटे की मानी जा रही थी, उसमें भाजपा की इतनी बड़ी जीत यह बताती है कि ममता का शासन कुशासन का पर्याय बन गया था और मुस्लिम तुष्टीकरण की उनकी राजनीति एवं बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ की गंभीर समस्या की अनदेखी ने बहुसंख्यक समुदाय को भाजपा के पक्ष में एकजुट करने का काम किया। भाजपा के पूर्व संस्करण जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गृह राज्य में भाजपा की जीत ने यह भी रेखांकित किया कि उसके विस्तार और बढ़ते प्रभाव का सिलसिला तेज होने वाला है। इस जीत ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ गृहमंत्री अमित शाह के कद को और अधिक बढ़ाने का काम किया है। 2026 की भाजपा वह नहीं, जो 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद निस्तेज दिखने लगी थी और कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल यह प्रतीति कराने लगे कि अब उनका नंबर आएगा।

क्या भारत दो-दलीय राजनीति की ओर बढ़ रहा है?

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक ऐसी बात निकलकर आई है, जिसे समझना जरूरी हो गया है। कभी कांग्रेस मुक्त भारत का नारा लगाने वाली भाजपा का ये सियासी जुमला लगता था, लेकिन आज की हकीकत देखें तो यह क्षेत्रीय दल मुक्त भारत के एक बड़े प्लान की तरह नजर आता है। भाजपा की रणनीति अब स्पष्ट हो चली है, वह पहले बड़े प्यार से किसी क्षेत्रीय दल की 'बांह' पकड़ती है, उसके साथ मिलकर सरकार बनाती है, वहाँ का गुणा गणित समझती है, उसके घर के भीतर तक अपनी पैठ बनाती है और फिर धीरे से उसी साथी को किनारे लगाकर अपना झंडा गाड़ देती है।

नीतीश कुमार हों या उद्धव ठाकरे, नवीन पटनायक हों या बादल परिवार... इन सब की कहानियाँ एक ही पैटर्न पर लिखी गई हैं। बिहार को ही देख लीजिए, जहाँ नीतीश कुमार कभी बड़े भाई हुआ करते थे और भाजपा उनके पीछे चला करती थी। लेकिन आज पासा पूरी तरह पलट चुका है; भाजपा बिहार की सबसे बड़ी ताकत बन गई है और नीतीश अपनी साख बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महाराष्ट्र में जिस शिवसेना ने भाजपा को उंगली पकड़कर हिंदुत्व का रास्ता दिखाया, आज वह खुद दो टुकड़ों में बंटकर अपनी पहचान की लड़ाई लड़ रही है। ओडिशा में नवीन बाबू का 24 साल पुराना अभेद्य किला जिस तरह ढहा, उसने सबको हैरान कर दिया। भाजपा ने वहां पहली बार अपनी सरकार बनाकर साबित कर दिया कि वह किसी की भी विरासत को समेटने का हुनर जानती है। अभी एक दशक पहले बंगाल में भाजपा का अस्तित्व भी न के बराबर था, लेकिन आज वहाँ प्रचंड बहुमत के साथ ही साथ सरकार बन गई है।

अब यह विस्तार की भूख पंजाब और दक्षिण के राज्यों की ओर मुड़ चुकी है। पंजाब में अकालियों से नाता टूटने के बाद भाजपा ने जो ताकत दिखाई है, वह आने वाले समय में केजरीवाल की आप के लिए बड़ी मुसीबत बन सकती है। दक्षिण भारत अब भाजपा के लिए एक ऐसी प्रयोगशाला बन गया है जहाँ वह नए-नए प्रयोग कर रही है। तमिलनाडु की राजनीति में दशकों से दो ही नाम चलते थे–डीएमके और एआईएडीएमके लेकिन भाजपा ने एआईडीएमके के कमजोर पड़ते ही वहां अपने पैर जमाने शुरू कर दिए हैं। केरल में जहाँ कांग्रेस और वामपंथियों के अलावा किसी तीसरे की जगह नहीं थी, वहाँ भाजपा ने त्रिशूर की सीट जीतकर और अपना वोट शेयर बढ़ाकर सबको चौंका दिया है। कांग्रेस वहां आज भले ही जीत गई हो, लेकिन उसे भी पता है कि भाजपा की नज़रें अब उसकी कुर्सी पर हैं।

बंगाल जीतने के बाद पार्टी मुख्यालय के संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का विरोध करना अखिलेश यादव को बहुत भारी पड़ेगा, मतलब साफ है अगला नंबर उत्तरप्रदेश का है। भाजपा जिस आत्मविश्वास के साथ अखिलेश यादव को टार्गेट कर रही है, और जैसे परिणाम आ रहे हैं तो लगता है कि भाजपा यूपी को जीतकर समाजवादी पार्टी को भी नफ़ासत के साथ निपटा देगी।

भाजपा अब उन मुद्दों को पीछे धकेल रही है जिन मुद्दों के सहारे क्षेत्रीय दलों की रणनीतिक अस्तित्व टिका हुआ है। वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस का अपना अलग ही तर्क है। कांग्रेस के कई नेताओं का मानना है कि क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा की इस आक्रामक विचारधारा का मुकाबला नहीं कर सकतीं। वे कहते हैं कि अंत में मुकाबला बड़ा होगा और देश फिर से कांग्रेस बनाम भाजपा वाले दौर में लौटेगा। यानी कांग्रेस भी चाहती है कि क्षेत्रीय दल कमज़ोर हों ताकि वह मुख्य विपक्षी दल बन सके। थलापति विजय जैसे नए चेहरे तमिलनाडु में उम्मीद तो जगाते हैं, लेकिन इसके बाद वहाँ भाजपा जिस स्टाइल में काम कर रही है, उसमें किसी तीसरे के लिए रास्ता बनाना आसान नहीं होगा।

सवाल यह है कि क्या यह सब लोकतंत्र के लिए सही है? भारत एक ऐसा देश है जहाँ हर कुछ कोस पर भाषा और संस्कृति बदल जाती है। क्षेत्रीय दल इन्हीं स्थानीय भावनाओं की आवाज़ होते हैं। अगर ये दल खत्म हो गए, तो क्या स्थानीय मुद्दे दिल्ली के शोर में दब जाएंगे?

भाजपा अब किसी राज्य में दूसरे या तीसरे नंबर पर रहने से संतुष्ट नहीं होती।

मथुरा डैम त्रासदी से सीख नहीं-नतीज़ा बरगी डैम त्रासदी दुर्घटना नहीं, संभवतत: आपराधिक लापरवाही का आईना

पर्यटन सुरक्षा तंत्र की विफ़लता और जवाबदेही की कसौटी- व्यापक समग्र विश्लेषण भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, धार्मिक, प्राकृतिक और साहसिक पर्यटन तेजी से बढ़ी- सुरक्षा मानकों का अनुपालन केवल एक औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन- मृत्यु का प्रश्न बना पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा उपकरण, विशेषकर थर्डपार्टी से नियमित सुरक्षा ऑडिट,नियमित और औचक निरीक्षण भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में पारदर्शी कार्यवाही,सहित पूर्ण जवाबदेही अस्त्र चलाना ज़रूरी वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ नज़रें भारतीय पर्यटक स्थल पर लग गई जब 30 अप्रैल 2026 की शाम बरगी डैम (नर्मदा के बैकवॉटर) में भीषण क्रूज हादसा, हुआ जिसमें प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार 13 लोगों की मृत्यु हुई,केवल एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं बल्कि हमारे पर्यटन तंत्र में गहरे पैठे सुरक्षा-संस्कृति के अभाव और प्रशासनिक लापरवाही का कठोर उदाहरण बनकर सामने आया है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

जब घटनास्थल से यह तथ्य उभरकर आता है कि कई पर्यटकों ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी और यह भी कि उन्हें व्यवस्थित रूप से पहनने के लिए बाध्य नहीं किया गया तथा मौसम विभाग के अलर्ट को भी नजर नजरअंदाज कर दिया गया था तो यह सवाल स्वतः उठता है कि क्या यह केवल एक त्रुटि थी या नियमों की सुनियोजित अनदेखी? इस त्रासदी का दर्द तब और गहरा हो जाता है जब इसे हाल ही में मथुरा में हुए समान हादसे के संदर्भ में देखा जाए,जहाँ 26 लोगों की जान चली गई थी और वहाँ भी लाइफ जैकेट का अभाव या उपयोग न होना प्रमुख कारणों में शामिल था। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि इन दो घटनाओं के बीच का समयइतना कम है कि यह निष्कर्ष निकलना स्वाभाविक है,हमने सबक नहीं सीखा।यह स्थिति केवल किसी एक राज्य या एक प्रशासनिक इकाई की विफलता नहीं है; यह पूरे देश के पर्यटन प्रबंधन तंत्र में व्याप्त प्रणालीगत खामियों को उजागर करती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहाँ धार्मिक, प्राकृतिक और साहसिक पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है, वहाँ सुरक्षा मानकों का अनुपालन केवल एक औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन-मृत्यु का प्रश्न बन जाता है। फिर भी, जमीनी हकीकत यह है कि कई पर्यटन स्थलों पर नियम पुस्तकों तक सीमित हैं और उनका पालन 'मुनाफे' के दबाव में दरकिनार कर दिया जाता है। बरगी डैम की घटना में भी यही परिलक्षित होता है–जहाँ पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय क्रूज संचालन जारी रखा गया,भले ही परिस्थितियाँ बिल्कुल भी अनुकूल न हों।

साथियों बात अगर हम लाइफ जैकेट का अभाव या उनका उपयोग न कराया जाना इसको समझने की करें तो,इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर और स्पष्ट लापरवाही का बिंदु है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर जल-पर्यटन में यह एक बुनियादी और अनिवार्य सुरक्षा उपाय माना जाता है।किसी भी नाव या क्रूज के पानी में उतरने से पहले यह सुनिश्चित करना ऑपरेटर की जिम्मेदारी होती है कि प्रत्येक यात्री सही ढंग से लाइफ जैकेट पहने। यह केवल एक उपकरण नहीं बल्कि संकट की घड़ी में जीवन और मृत्यु के बीच की अंतिम दीवार होती है। ऐसे में यदि यह पाया जाता है कि जैकेट उपलब्ध नहीं थीं, या उपलब्ध होने के बावजूद यात्रियों को पहनने के लिए बाध्य नहीं किया गया, तो यह सीधा-सीधा आपराधिक लापरवाही का सटीक मामला बनता है।

साथियों दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है मौसम की चेतावनियों की अनदेखी। यदि मौसम विभाग जैसे भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा पहले से तेज हवाओं या खराब मौसम की चेतावनी जारी की गई थी,और इसके बावजूद क्रूज संचालन जारी रहा,तो यह केवल जोखिम उठाने का मामला नहीं बल्कि जानबूझकर खतरे को आमंत्रित करने जैसा है। 40-50 किमी/घंटा की तेज हवाएँ किसी भी जलयान के लिए गंभीर चुनौती होती हैं, विशेषकर तब जब उसमें आम पर्यटक सवार हों। ऐसे में प्रशासन और ऑपरेटर दोनों की जिम्मेदारी बनती है कि वे गतिविधियों को तत्काल रोकें, न कि मुनाफे या दबाव के चलते उन्हें जारी रखें।

साथियों ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन भी ऐसे हादसों के प्रमुख कारणों में शामिल होते हैं। कई बार देखा गया है कि अधिक से अधिक यात्रियों को समायोजित करने के लिए नावों में उनकी निर्धारित क्षमता से ज्यादा लोगों को बैठाया जाता है। इससे न केवल संतुलन बिगड़ता है बल्कि आपातकालीन स्थिति में बचाव कार्य भी जटिल हो जाता है। यदि बरगी डैम हादसे में भी ऐसा कोई तत्व सामने आता है, तो यह और अधिक गंभीरता से जांच और कार्रवाई की मांग करता है। यहाँ यह भी ध्यान देने योग्य है कि सुरक्षा उपकरण जैसे लाइफ बोट,सिग्नलिंग डिवाइस,प्रशिक्षित स्टाफ का अभाव स्थिति को और घातक बना देता है।

साथियों प्रशासनिक जवाबदेही इस पूरे विमर्श का केंद्र बिंदु है। पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन की यह प्राथमिक जिम्मेदारी होती है कि वे सभी ऑपरेटरों को लाइसेंस देने से पहले उनकी सुरक्षा तैयारियों की जांच करें और नियमित अंतराल पर निरीक्षण करें। यदि यह पाया जाता है कि नियमों का उल्लंघन लंबे समय से हो रहा था और इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो यह केवल चूक नहीं बल्कि 'सांठगांठ' या 'सिस्टमेटिक फेल्योर' की ओर संकेत करता है। ऐसे मामलों में केवल निचले स्तर केकर्मचारियों को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं होता; उच्च स्तर के अधिकारियों की भूमिका की भी गहन जांच आवश्यक होती है।

साथियों कानूनी दृष्टिकोण से देखें तो ऐसी घटनाओं में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) या पूर्ववर्ती आईपीसी की धाराएँ स्पष्ट रूप से लागू होती हैं। धारा 304ए (लापरवाही से मृत्यु) ऐसे मामलों में सामान्यतः लगाई जाती है, जहाँ किसी की असावधानी या लापरवाही के कारण किसी की जान चली जाती है। परंतु यदि यह सिद्ध हो जाए कि जोखिम के बारे में पूर्व जानकारी थी और फिर भी जानबूझकर उसे नजरअंदाज किया गया, तो धारा 304 (गैर-इरादतन हत्या) या यहाँ तक कि धारा 302 (हत्या) के तहत भी मामला बन सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि जांच में मेनस रिया,अपराध की मानसिक स्थिति कितनी गंभीर पाई जाती है। बरगी और मथुरा जैसी घटनाओं के संदर्भ में यह बहस प्रासंगिक है कि क्या केवल लापरवाही कहना पर्याप्त है, या इसे अधिक कठोर आपराधिक श्रेणी में रखा जाना चाहिए।

साथियों दिनांक 26 अप्रैल 2026 को मैं खुद अपने पूरे परिवार सहित उत्तराखंड राज्य के एक पर्यटक स्थल ऋषिकेश के रामझूला व गंगा तट पर था,ऋषिकेश में राम झूला और नाव यात्रा के दौरान इस समस्या की व्यापकता को और स्पष्ट रूप से मैंने देखा क़ि राम झूला के बीच में दो बड़े सांड व दो गाय खड़ी थी मैंने गाइड से पूछा तो उन्होंने कहा साहब यह रोज की बात है इसपर मैंने कहा अगर यह दोनों सांड आपस में लड़े तो जान माल का काफी नुकसान होगा तो गाइड ने कहा साहब यहां सुनने वाला कोई नहीं है फिर जब नीचे मैं अपने परिवार सहित नाव से दूसरा किनारा पार करने के लिए प्रति व्यक्ति 40 रूपए की टिकट लेकर नाव पर बैठा तो वहां देखा कि किसी ने लाइफ सेफ़ जैकेट नहीं पहना था मगर मेरे आग्रह करने पर फिर सभी ने लाइफ सेव जैकेट पहने जब एक पर्यटक को स्वयं दूसरों को लाइफ जैकेट पहनने के लिए प्रेरित करना पड़े, और नाव संचालक या कप्तान इस बुनियादी जिम्मेदारी को नजरअंदाज कर दे, तो यह केवल एक स्थान की समस्या नहीं बल्कि पूरे तंत्र में व्याप्त सुरक्षा के प्रति उदासीनता का प्रमाण है। यह स्थिति दर्शाती है कि नियम केवल कागजों पर मौजूद हैं, जबकि जमीनी स्तर पर उनका पालन सुनिश्चित करने वाला कोई प्रभावी तंत्र नहीं है।

साथियों भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बहु-स्तरीय और सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, लाइफ जैकेट का अनिवार्य उपयोग केवल एक नियम नहीं बल्कि 'नॉन- नेगोशिएबल' शर्त होना चाहिए बिना जैकेट के किसी भी यात्री को नाव या क्रूज पर चढ़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसके लिए तकनीकी उपाय जैसे बोर्डिंग गेट पर सेंसर या डिजिटल चेक भी अपनाए जा सकते हैं। दूसरा, ऑपरेटरों के लाइसेंसिंग सिस्टम को पारदर्शी और सख्त बनाया जाना चाहिए, जिसमें नियमित और औचक निरीक्षण शामिल हों। तीसरा, मौसम संबंधी गाइडलाइंस को कानूनी रूप से बाध्यकारी बनाया जाए यदि चेतावनी जारी हो, तो संचालन स्वतः निलंबित हो जाए।इसके अतिरिक्त, क्रूज और नावों पर कार्यरत कर्मचारियों का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है।उन्हेंआपातकालीन स्थितियों से निपटने, प्राथमिक उपचार देने और बचाव कार्यों का संचालन करने में दक्ष होना चाहिए। क्षमता का कड़ाई से पालन भी अनिवार्य है–इसमें किसी भी प्रकार की ढील सीधे खतरे को आमंत्रित करती है। अंततः, पर्यटन स्थलों पर नियमित 'सुरक्षा ऑडिट' विशेषकर थर्ड-पार्टी एजेंसियों द्वारा कराया जाना चाहिए, ताकि निष्पक्ष मूल्यांकन हो सके और खामियों को समय रहते दूर किया जा सके। बरगी डैम और मथुरा जैसी त्रासदियाँ हमें यह सिखाती हैं कि विकास और पर्यटन के नाम पर यदि सुरक्षा से समझौता किया गया, तो उसकी कीमत मानव जीवन से चुकानी पड़ती है। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि उन परिवारों की पीड़ा है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। इसलिए अब समय आ गया है कि 'दुर्घटना' शब्द के पीछे छिपने के बजाय 'जवाबदेही' को केंद्र में लाया जाए। जब तक दोषियों पर कठोर और उदाहरणात्मक कार्रवाई नहीं होगी चाहे वे ऑपरेटर हों, अधिकारी हों या नीति-निर्माता तब तक यह चक्र नहीं टूटेगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि यह केवलसरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की भी भूमिका है। जागरूकता, सतर्कता और नियमों के प्रति सम्मान ये तीनों मिलकर ही एक सुरक्षित पर्यटन संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं। लेकिन नेतृत्व की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन पर ही आती है, और उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में कोई भी पर्यटक केवल एक लापरवाही के कारण अपनी जान न गंवाए। बरगी डैम की यह त्रासदी एक चेतावनी है,यदि अब भी नहीं चेते, तो अगली खबर किसी और शहर, किसी और नदी से आ सकती है।

मौन की गूँज: जब विचार ठहर जाएँ

आज सुबह-सुबह एक विचार पढ़ा-उपवास करना है तो विचारों का करे, भूखे रहने से भगवान खुश होते तो गरीब सबसे सुखी होते। वास्तव में व्यक्ति के जीवन में विचारों का बहुत महत्व है। पाठक जानते हैं कि विचार हमारे मन में उत्पन्न होने वाले वे मानसिक भाव, धारणाएँ या सोच हैं जो किसी भी विषय, परिस्थिति या अनुभव के बारे में हमारी प्रतिक्रिया को दर्शाते हैं। सरल शब्दों में, जो कुछ हम सोचते हैं- वही विचार कहलाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि सकारात्मक विचार हमें आगे बढ़ने, समस्याओं का समाधान ढूंढने और जीवन में उत्साह बनाए रखने में मदद करते हैं।

सुनील कुमार महला

वहीं दूसरी ओर नकारात्मक विचार हमें तनाव, भय और निराशा की ओर ले जा सकते हैं। वास्तव में, विचारों का उपवास एक अत्यंत गहरा और मनोवैज्ञानिक विषय है। जैसे शरीर की शुद्धि के लिए हम अन्न का त्याग करते हैं, वैसे ही मन की शांति और मानसिक स्पष्टता के लिए विचारों का उपवास अनिवार्य है।

हर व्यक्ति के मन-मस्तिष्क में हर समय विचारों का आवागमन होता रहता है।एक विचार आता है, फिर दूसरा,तीसरा और यही क्रम अनवरत चलता रहता है। यहां तक कि व्यक्ति आराम कर रहा होता है, विश्राम कर रहा होता है,या यूं कहें कि नींद की अवस्था में होता है,तब भी विचारों का क्रम चलता ही रहता है,यह कभी थमता नहीं है। विचारों का उपवास मन में शांति लाता है। वास्तव में जब हम नकारात्मक विचारों का उपवास करते हैं, तो भीतर शून्यता और शांति आती है, जो ईश्वर से जुड़ने का सच्चा मार्ग है। व्यक्ति आत्मनियंत्रित होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि विचारों के उपवास से न केवल व्यक्ति को मानसिक शांति ही मिलती है, बल्कि यह व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी बहुत मदद करता है।जब हम विचारों का उपवास करते हैं तो गलत व नकारात्मक सोच, नकारात्मक ऊर्जा, चिंता,डर और असफलताओं से दूर हो पाते हैं। विचारों के उपवास से सीधा सा मतलब

यह है कि हम अपने मन को नकारात्मक, फालतू और हानिकारक विचारों से मुक्त करें। जब हम विचारों का उपवास करते हैं तो हम ध्यानमग्न हो जाते हैं। हमारा तनाव और अवसाद कम होता है और ईश्वरीय मार्ग की ओर स्वयं को प्रशस्त करते हैं। हमारा आत्मनियंत्रण बढ़ता है। वास्तव में मनुष्य के व्यक्तित्व, व्यवहार और निर्णयों पर विचारों का गहरा प्रभाव पड़ता है। जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हमारा आचरण और जीवन बनता जाता है। इसलिए कहा जाता है-विचारों को बदलो, जीवन बदल जाएगा।

हालांकि, विचारों को रोकना संभव नहीं है। विचार हमेशा मस्तिष्क में विचरण करते रहते हैं। मन-मस्तिष्क का स्वभाव ही हर पल सोचना है। लेकिन विचारों का उपवास किया जा सकता है।अब यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर हम विचारों का उपवास करें तो कैसे करें ? इसके लिए यह आवश्यक है कि हम ध्यान(मेडिटेशन) करें। अपने लिए थोड़ा समय निकालें और कुछ मिनट तक एक शांत स्थान पर शांति से बैठकर अपनी सांसों पर ध्यान दें। आज का युग संचार क्रांति का युग है और हम हर समय एंड्रॉयड स्मार्टफोन, लैपटॉप, इंटरनेट,एआइ में व्यस्त रहते हैं। हमारे पास स्वयं के लिए ही समय नहीं बचा है। विचारों के उपवास के लिए मोबाइल, लैपटॉप जैसे गैजेट्स से दूरी बनाना बहुत आवश्यक है। या यूं कहें कि आज के समय में डिजिटल दूरी विचारों के उपवास के लिए आवश्यक तत्व है। हमें यह चाहिए कि हम लगातार मोबाइल/न्यूज़/ से हम ब्रेक लें।वर्तमान समय में हम सूचनाओं के विस्फोट के बीच जी रहे हैं। हर समय कुछ न कुछ सोचना, विश्लेषण करना या चिंता करना मस्तिष्क को थका देता है। विचारों का उपवास हमें इस ध्वनि प्रदूषण से बाहर निकालकर मौन की शक्ति से परिचित कराता है। डिजिटल डिटाक्स बहुत ही महत्वपूर्ण व जरूरी है। हमें यह चाहिए कि हम दिन भर में कम से कम एक घंटा फोन, लैपटॉप और टीवी से पूरी तरह दूर रहें। बाहरी सूचनाओं का रुकना ही विचारों के रुकने की पहली सीढ़ी है।यदि विचार बहुत परेशान कर रहे हों, तो उन्हें कागज पर लिख दें। इससे मन का बोझ हल्का होता है और मस्तिष्क को लगता है कि उसने अपना काम पूरा कर लिया है।हमारा चयन सकारात्मक चयन होना चाहिए। मसलन, हमें क्या पढ़ना है, क्या देखना, है और क्या सुनना है-यह हम सोच-समझकर चुनें।हम स्वयं का स्व-निरीक्षण करें और अपने विचारों को देखें, लेकिन उनमें उलझें नहीं।याद रखिए कि जब हम विचारों को केवल आता-जाता देखते हैं और उनमें उलझते नहीं, तो मन शांत होने लगता है। जब हमारा दिमाग/मस्तिष्क अनावश्यक विचारों से खाली होता है, तब क्रिएटिव स्पेस बनता है। स्पष्ट दिमाग बेहतर निर्णय ले पाता है क्योंकि वह पूर्वाग्रहों और पुरानी धारणाओं के बोझ से मुक्त होता है। वैज्ञानिक रूप से भी यदि हम देखें तो हमारा मस्तिष्क शरीर की कुल ऊर्जा का एक बड़ा हिस्सा उपभोग करता है। अनावश्यक चिंता और नकारात्मक विचार मानसिक ऊर्जा को व्यर्थ करते हैं। विचारों का उपवास इस ऊर्जा को बचाकर उसे सकारात्मक कार्यों या आत्म-चिंतन की ओर मोड़ देता है।बहरहाल, यहां यह कहना चाहूंगा कि विचारों का उपवास मन को खाली करने का प्रयास नहीं है, बल्कि उसे सही दिशा देने की एक सजग प्रक्रिया है। जब हम अनावश्यक और नकारात्मक विचारों से दूरी बनाकर सकारात्मक, शांत और उपयोगी सोच को अपनाते हैं, तब हमारा मन अधिक संतुलित, स्पष्ट और शक्तिशाली बनता है।

इसलिए, विचारों का उपवास वास्तव में आत्म-नियंत्रण और मानसिक शुद्धि का मार्ग है, जो जीवन को सरल, सुखद और उद्देश्यपूर्ण बनाता है। सरल शब्दों में कहें तो विचारों का उपवास सोचना बंद करने के बारे में नहीं है, बल्कि व्यर्थ सोचना बंद करने के बारे में है। यह मन की वैसी ही सफाई है, जैसी हम अपने घर की रोज करते हैं।

डंपर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर गेहूं से भरी ट्रॉली पलटी, सड़क पर बिखरा अनाज

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर ग्राम निमसाड़िया के पास मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार डंपर ने गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी हादसे में ट्रॉली पलट गई और उसमें रखा सारा गेहूं सड़क पर बिखर गया दुर्घटना में ट्रैक्टर का ड्राइवर और हेल्पर घायल हो गए हैं जबकि डंपर का चालक मौके से फरार हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 8.30 बजे गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली नर्मदापुरम अनाज मंडी की ओर आ रही थी ट्रैक्टर को दुर्गेश पाल चला रहा था और पवन उसके साथ बैठा था इसी दौरान नर्मदापुरम की ओर ही आ रहे रेत से भरे डंपर ने निमसाड़िया के पास ओवरटेक करते समय ट्रैक्टर-ट्रॉली को बाजू से टक्कर मार दी और अनियंत्रित होकर सीधे बागुड़ में जा घुसा। डंपर की टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रॉली पलट गई और ट्रैक्टर का स्टेयरिंग वाला हिस्सा टूटकर डंपर के नीचे दब गया हादसे में ड्राइवर दुर्गेश और उसका साथी पवन घायल हो गए जिन्हें वहां से गुजर रहे राहगीरों की मदद से उठाया गया घटना को अंजाम देने के बाद डंपर का ड्राइवर मौके से भाग निकला। हादसे की सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सड़क पर बिखरे हुए गेहूं को समेटकर उठाया गया देहात थाना पुलिस ने टक्कर मारने वाले फरार डंपर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

झारखंड शराब घोटाले में टुटेजा को अग्रिम जमानत :हाईकोर्ट की शर्त- जांच में सहयोग करें बाधा डाली तो एजेंसी को बेल रद्द कराने की छूट

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। निलंबित IAS अनिल टुटेजा को कथित झारखंड शराब घोटाला मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। जस्टिस पीपी साहू ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी है कोर्ट ने अनिल टुटेजा को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो सॉल्वेंट जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। साथ ही उन्हें जांच में सहयोग करने और गवाहों को प्रभावित न करने की सख्त हिदायत दी गई है हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर अनिल टुटेजा जांच में सहयोग नहीं करते हैं तो जांच एजेंसी को उनकी जमानत रद्द कराने के लिए आवेदन करने की छूट होगी। बता दें कि करीब एक सप्ताह पहले छत्तीसगढ़ के चर्चित डीएमएफ घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे अनिल टुटेजा की जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने

खारिज कर दिया था ऐसे में इस मामले में जमानत मिलने के बावजूद अनिल टुटेजा का जेल से बाहर आना फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है। दरअसल आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (EOW) ने अनिल टुटेजा पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और आईपीसी की धारा 420, 120B के तहत मामला दर्ज किया है आरोप है कि टुटेजा और अन्य आरोपियों ने झारखंड में छत्तीसगढ़ के आबकारी मॉडल की तर्ज पर अवैध शराब का कारोबार चलाने के लिए सिंडिकेट बनाया था। इस सिंडिकेट ने झारखंड की आबकारी नीति में बदलाव करवाकर अपने पसंदीदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया और करोड़ों रुपए का अवैध कमीशन कमाया गिरफ्तारी से बचने लगाई अग्रिम जमानत अर्जी अनिल टुटेजा ने इस मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी जिसमें तर्क दिया गया कि यह एवरग्रीन अरेस्ट यानी हमेशा जेल में रखने की साजिश का मामला है। जब भी एक मामले में जमानत मिलने वाली होती है तो जेल में रखने के लिए एक नई एफआईआर दर्ज कर दी जाती है झारखंड पुलिस ने इसी मामले में अलग से एफआईआर दर्ज की है लेकिन वहां टुटेजा को आरोपी तक नहीं बनाया गया है। याचिका में बताया गया कि पिछले 5 सालों में 5 अलग-अलग एजेंसियों ने छापेमारी की लेकिन टुटेजा के पास से एक भी रुपए की बेहिसाब संपत्ति नहीं मिली। जांच एजेंसी के पास कोई डिजिटल सबूत कॉल रिकॉर्ड या वित्तीय लेनदेन का प्रमाण भी नहीं है जो अनिल टुटेजा को झारखंड के अधिकारियों से जोड़ता हो। राज्य सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए अनिल टुटेजा को चावल मिलिंग, डीएमएफ, कोयला और शराब जैसे कई घोटालों का मास्टरमाइंड बताया गया सरकार का तर्क था कि टुटेजा ने रायपुर में बैठकें कर झारखंड के अधिकारियों के साथ साजिश रची जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ उन्होंने यह भी कहा कि सिंडिकेट मॉडल के जरिए बेहिसाब संपत्ति अर्जित की गई है। हाईकोर्ट ने तथ्यों के आधार पर पाया कि टुटेजा पिछले दो सालों से जेल में हैं लेकिन ईओडब्ल्यू ने इस नए मामले में उनसे पूछताछ करने का कोई प्रयास नहीं किया हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि जब वे पहले से ही न्यायिक हिरासत में थे तो जांच एजेंसी ने उसे पूछताछ के लिए बुलाने या गिरफ्तार करने की अनुमति कोर्ट से क्यों नहीं मांगी। इसके अलावा झारखंड पुलिस ने टुटेजा को अपने मामले में आरोपी नहीं बनाया है और वहां के कुछ आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है हाईकोर्ट ने टुटेजा को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो सॉल्वेंट जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है।

अवैध उत्खनन के 24 मामलों में 9.27 लाख की वसूली

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर जिले में अवैध उत्खनन के 24 मामलों में 9.27 लाख रुपए से अधिक की वसूली की गई है खनिज विभाग के उप संचालक किशोर कुमार गोलघाटे ने बताया कि यह समझौता राशि खनिज मद में जमा की गई है जिसका इस्तेमाल विकास कार्यों के लिए किया जाएगा। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर खनिज विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में ईंट निर्माण के लिए अवैध मिट्टी उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की इस दौरान कुल 24 केस दर्ज किए गए जिनसे 9 लाख 27 हजार 663 रुपए की समझौता राशि वसूल की गई। वसूली गई राशि में से अवैध उत्खनन के 8 प्रकरणों से 6 लाख 50 हजार 783 रुपए और अवैध परिवहन के 16 प्रकरणों से 2 लाख 76 हजार 880 रुपए शामिल हैं। विभाग जिले में अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नियमित जांच और निरीक्षण अभियान चला रहा है जिले में गौण खनिज मिट्टी ईंट के लिए कुल 29 उत्खनिपट्टे स्वीकृत हैं इनमें से 4 पट्टे वर्तमान में व्यपगत (लैप्स) हो चुके हैं।

नर्मदापुरम में सरकारी खरीदी में गड़बड़ी, वजन से ज्यादा तौल एक ही बोरे का वजन दो कांटों पर अलग

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सांगाखेड़ा कला में उमंग वेयरहाउस पर सरकारी खरीदी में किसानों से खुली लुट हो रही है केंद्र पर निर्धारित मात्रा से 100 से 200ग्राम प्रति बोरी अधिक गेहूं लिया इतना ही नहीं नियमों से हटकर खरीदी हो रही छोटे तौल कांटे पर भी गड़बड़ी सामने आई है जहां दो अलग-अलग तौल कांटों पर एक ही बोरे के वजन में अंतर आया। जहां गेहूं की तुलाई वेयरहाउस के अंदर होते मिली केंद्र प्रभारी दिलीप चौरे से एक बारदान में गेहूं भरने की क्षमता पूछी उन्होंने कहा कि 50 किलो 550 ग्राम गेहूं भरा जा रहा है जब गेहूं से भरे बारदान को छोटे दो अलग-अलग तौल कांटे पर रख तुलवाया तो केंद्र कर्मचारियों के किसानों से अतिरिक्त गेहूं लेने का मामला

उजागर हुआ। पहले तौल कांटे पर गेहूं से भरे बोरे को तौला तो वजन 50.680 किलो आया। उसी बोरे को जब दूसरे तौल कांटे पर तुलवाया तो वज़न 50.750 किलो आया नियम अनुसार बारदान का वजन 580 ग्राम होता है इसलिए 50.580किलो या 50.600 किलो तक गेहूं तौला जा सकता है लेकिन यहां 100 से 200 ग्राम अतिरिक्त गेंहू लिया जा रहा है ऐसे में इन केंद्रों की अफसर जांच कराएं तो किसानों से लुट का बड़ा मामला उजागर हो सकता है। केंद्र पर गेहूं-चना की खरीदी सरकारी नियमों के अनुसार नहीं हो रही है वेयरहाउस के बाहर तुलाई करने की जगह अंदर ही तौल कर सीधे स्टैक (ढेर) लगाया जा रहा है किसानों की ट्रॉली पहले बड़े कांटे (धर्म कांटा) पर तोली जा रही है उसके बाद ही एंट्री दी जा रही है। जबकि उपार्जन नीति के नियम इसके विपरीत हैं। नियम 10.3.8 के अनुसार केंद्र पर अलग-अलग किसानों की उपज को मिलाकर या फ्लेट (एक साथ) तौलना मना है ऐसा करने पर केंद्र की मान्यता भी रद्द हो सकती है। नियम 10.3.9 में साफ कहा गया है कि गेहूं और चना की तुलाई गोदाम परिसर (बाहर) में होनी चाहिए गोदाम के अंदर तौल मान्य नहीं है सिर्फ असामान्य बारिश की स्थिति में ही जिला उपार्जन समिति अनुमति दे सकती है। नियम 10.3.1 के अनुसार गेहूं को 50 किलो के मानक बोरे में ही भरा जाना चाहिए। इससे ज्यादा वजन एक बोरे में नहीं होना चाहिए सबसे बड़ी बात यह है कि अभी तक इस केंद्र का न जिला उपार्जन समिति ने निरीक्षण किया है और न ही खंड स्तरीय समिति ने इसी कारण इन गड़बड़ियों पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

शटर का ताला तोड़कर शीतला माता मंदिर में चोरी गर्भगृह से हजार रुपए लेकर फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस कस्बे में स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर में देर रात अज्ञात चोर ने ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जिसके आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार चोर सोमवार देर रात मंदिर परिसर में घुसा उसने सबसे पहले मंदिर में रहने वाले किरायेदार के कमरे की कुंडी बाहर से बंद कर दी, ताकि उसे कोई देख न सके इसके बाद चोर ने मंदिर के शटर के दो ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया। मंदिर के अंदर घुसने के बाद चोर ने दानपात्र को तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सका इसके बाद चोर गर्भगृह तक पहुंचा और वहां से लगभग 2 से 3 हजार रुपए की नकदी (चढ़ोत्तरी) चुरा ली। वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। जब चोरी की जानकारी सामने आई तो पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद कोलारस पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश में जुटी है।

बिलासपुर पुलिस ने 69 बच्चों को ढूंढा राज्य में टॉप रैंकिंग हासिल की

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर पुलिस ने एक महीने के भीतर 69 अपहृत बच्चों और 579 अपहृत महिला-पुरुषों को ढूंढकर उनके परिवारों से मिलाया है इस उपलब्धि के साथ बिलासपुर पुलिस ने बच्चों को ढूंढने के मामले में राज्य में पहला और अपहृत महिला-पुरुषों को वापस लाने में दूसरा स्थान हासिल किया है यह अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच चलाया गया। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर राज्यभर में ऑपरेशन मुस्कान चलाया गया था। बिलासपुर जिले में इस अभियान के तहत कुल 648 लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस विभाग के राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने गहन छानबीन की। इसमें तकनीकी सहयोग लिया गया और मुखबिर तंत्र को सुदृढ़ किया गया जांच के दौरान कई अपहृत बच्चों के अन्य राज्यों में होने की जानकारी मिली इस जानकारी के आधार पर बच्चों और महिला-पुरुषों को ढूंढने के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गईं। इन टीमों को देश के अलग-अलग राज्यों और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में भेजा गया। पुलिस ने महाराष्ट्र से 2 और ओडिशा से 1 बालिका को बरामद किया। राज्य के भीतर के जिलों से 66 बालक/बालिकाएं और 579 महिला-पुरुषों को छुड़ाया गया।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश सुशासन तिहार, विकास कार्यों और पारदर्शिता पर विशेष जोर

मीडिया ऑडीटर,एमसीबी (निप्र)। जिले में प्रशासनिक सख्ती और विकास कार्यों को गति देने के लिए कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने समय-सीमा की वर्चुअल बैठक में सभी विभागों को कड़े निर्देश दिए कलेक्ट्रेट कार्यालय से आयोजित इस बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुशासन तिहार 2026 और विभागीय लक्ष्यों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक विभाग अपने निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करे और योजनाओं की जानकारी आम जनता तक सक्रिय रूप से पहुंचाए उन्होंने पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विभागवार प्रगति और हितग्राही वितरण की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सुशासन तिहार 2026 को लेकर सख्ती दिखाते हुए कहा कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों की एंट्री प्रतिदिन अनिवार्य होगी और अगले दिन दोपहर तक सभी प्रविष्टियां पूर्ण की जाएं जनपद स्तर के शिविरों में सभी विभागों की उपस्थिति सुनिश्चित करने और मौके पर ही समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में पीएमजीएसवाई के तहत सड़कों के निर्माण, विभिन्न मार्गों के लिए डीपीआर तैयार करने और चिरमिरी मार्ग पर स्पीड ब्रेकर निर्माण जैसे कार्यों की समीक्षा की गई। जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन मरम्मत, पेयजल समस्या के समाधान और पंपों के सुचारू संचालन के निर्देश भी दिए गए। कृषि विभाग को किसानों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने जल संसाधन विभाग को मवई नदी सर्वे की प्रगति साझा करने के निर्देश दिए गए साथ ही उद्योग विभाग को पांच वर्षीय कार्ययोजना तैयार करने और विभिन्न विभागों को समय पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। कलेक्टर ने आधार अपडेट एमबीयू और अपार आईडी बढ़ाने, आरटीआई की ऑनलाइन स्थिति अपडेट रखने और भूमि चिन्हांकन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को माड़ीसरई स्टेशन का कार्य शीघ्र पूरा करने और अस्पताल के लिए ट्रांसफार्मर खरीद प्रक्रिया तेज करने को कहा गया। नगरीय निकायों को जलभराव की समस्या का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए गए बैठक के अंत में कलेक्टर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का सख्त संदेश दिया।

लाखों का नलकी एवरेस्ट मसाला जब्त राजस्व विभाग की टीम ने बालाजी मूवर्स एंड पैकर्स पर मारा छापा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में राजस्व विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये का संदिग्ध एवरेस्ट मसाला जब्त किया है यह मसाला व्यापार विहार स्थित बालाजी मूवर्स एंड पैकर्स नामक व्यापारिक संस्थान से पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार इस नकली मसाले को शहर की विभिन्न दुकानों में खपाने की तैयारी थी। राजस्व विभाग की टीम ने समय रहते दबिश देकर इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम भी मौके पर मौजूद थी बालाजी मूवर्स एंड पैकर्स नामक व्यापारिक संस्थान में कार्रवाई करते हुए राजस्व विभाग के अधिकारी व्यापार विहार स्थित उस स्थान को सील कर दिया गया है जहाँ कथित नकली एवरेस्ट मसाला रखा गया था कार्रवाई के समय एवरेस्ट मसाले के पदाधिकारी भी मौजूद थे जिन्होंने पुष्टि की कि यह मसाला उनके संस्थान का नहीं है। इस पुष्टि के बाद नकली मसाला तैयार करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने की तैयारी की जा रही है।

दवा दुकानों में CCTV अनिवार्य एक सप्ताह में पालन नहीं करने पर होगी सीलबंदी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले में नशीली एवं मन:प्रभावी दवाओं के दुरुपयोग पर नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन ने कड़ा कदम उठाते हुए सभी दवा दुकानों में CCTV कैमरा लगाना अनिवार्य कर दिया है। यह निर्णय ह्ष्टह्लश्चह्र की राज्य स्तरीय बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन में लिया गया है जिसकी अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव ने की। निर्देशानुसार जिले के सभी रिटेल और होलसेल मेडिकल स्टोर्स, दवा दुकानों एवं एजेंसियों को अपने प्रतिष्ठानों के अंदर और बाहर CCTV कैमरे स्थापित करना होगा। इसका उद्देश्य NDPS और NR& श्रेणी की दवाओं की निगरानी को सख्त बनाना और उनके दुरुपयोग को रोकना है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पूर्व में भी इस संबंध में निर्देश जारी किए गए थे लेकिन निरीक्षण के दौरान कई दुकानों में कैमरे नहीं पाए गए या वे बंद स्थिति में मिले इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए अब अंतिम रूप से एक सप्ताह की समय-सीमा निर्धारित की गई है निर्धारित अवधि के भीतर सभी संचालकों को कैमरे लगाकर उन्हें चालू स्थिति में रखना अनिवार्य होगा। समय-सीमा समाप्त होने के बाद जिला एवं ब्लॉक स्तर पर उड़नदस्ता दल द्वारा सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिन दुकानों में CCTV कैमरा नहीं पाया जाएगा या वह कार्यरत नहीं होगा उनके खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नागपुर मंडल में जश्न: चुनावी जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बांटी खुशियां

मीडिया ऑडीटर, नागपुर (निप्र)। नागपुर मंडल क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न राज्यों एवं पश्चिम बंगाल में पार्टी की जीत के उपलक्ष्य में उत्साहपूर्वक जश्न मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी के नेतृत्व में नागपुर चौक में किया गया जहां बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर खुशी का इजहार किया और जीत का जश्न मनाया इस अवसर पर झल मुर्रा बनाकर लोगों के बीच वितरित किया गया जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बन गया कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इस जीत को ऐतिहासिक बताया। जश्न के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और 'जय श्री राम' के नारों के साथ अपनी खुशी व्यक्त की नागपुर चौक पर देर तक उत्सव का माहौल बना रहा और स्थानीय नागरिक भी इस खुशी में शामिल होते नजर आए कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय राय, जिला प्रवक्ता जमुना पांडे, मंडल अध्यक्ष मुनीम सिंह, मंडल महामंत्री अमित राय सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनदर्शन में 18 मामलों की सुनवाई : भूमि विवाद अतिक्रमण और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम एक बार फिर आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बनकर सामने आया कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में जिलेभर से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखीं। जनदर्शन की सुनवाई अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार द्वारा की गई जिन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश जारी किए। कार्यक्रम के दौरान कुल 18 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें भूमि विवाद, नाम सुधार, अतिक्रमण,

निर्माण कार्य रोकने शिकायतों पर कार्रवाई न होने पट्टा संबंधी मामले किरायेदार विवाद तथा पेड़ कटाई अनुमति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे प्रमुख रहे। कार्यक्रम में बिछियाटोला निवासी दीपनारायण ने बताया कि पट्टा जारी होने के बावजूद पिछले तीन वर्षों से उनके नाम में सुधार नहीं किया गया है जिससे उन्हें लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वहीं पोंडी निवासी अजमेर सिंह ने अपनी पट्टे की भूमि पर हो रहे सड़क निर्माण कार्य को रोकने की मांग रखते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की अपील की। चिरमिरी के आशीष सिंह ने किरायेदार द्वारा मकान पर कब्जा किए जाने की शिकायत दर्ज कराई, जबकि साल्हि के राम सिंह और केवल सिंह ने भूमि विवाद से जुड़े मामलों को उठाया मनेन्द्रगढ़ के नईम खान ने आरोप लगाया कि उनकी शिकायतों को दबाया जा रहा है और उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके अलावा नागपुर क्षेत्र के वार्डवासियों ने अपने क्षेत्र में प्रस्तावित पोल्ट्री फार्म निर्माण पर रोक लगाने की मांग रखी देवाडांड निवासी चंद्रप्रताप ने संबंधित पटवारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जबकि हस्तिनापुर के शोभित सिंह ने अपनी भूमि पर स्थित सागौन वृक्षों की कटाई के लिए अनुमति प्रदान करने का आवेदन प्रस्तुत किया। अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का सूक्ष्म परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

बुरहानपुर में 250 किलो सलई गोंद जब्त

वन विभाग ने दांत पहाड़ी से की कार्रवाई, जिले में है प्रतिबंध

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में सलई गोंद निकालने पर प्रतिबंध के बावजूद इसकी तस्करी जारी है। वन विभाग ने रविवार को दांत पहाड़ी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए लगभग 250.900 किलोग्राम सलई गोंद जब्त किया। यह कार्रवाई जिले में लगातार हो रही गोंद तस्करी के खिलाफ की गई है। वन विभाग बुरहानपुर के एसडीओ अजय सागर ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम दांत पहाड़ी में शाम करीब 4:30 बजे एक वाहन गोंद लेकर आने वाला है। इस सूचना पर खकनार रेंजर रितेश कुमार उईके के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम में वन रक्षक रूपा मुड़िया, दुर्गेश तोमर, सुरेश दांगी, कचरू गुर्जर और अन्य स्टाफ शामिल थे। टीम ने दांत पहाड़ी, खकनार, बुरहानपुर मार्ग पर घेराबंदी की। वन विभाग की टीम को देखते ही वाहन चालक गोंद को रास्ते में छिपाकर वाहन सहित मौके से फरार हो गया। बाद में मुखबिर की सूचना पर ग्राम धाबा के पास उस स्थान की जांच की गई, जहां वाहन चालक ने सलई गोंद की बोरियां छिपाकर रखी थीं। जांच के दौरान सलई गोंद से भरे 10 कट्टे बरामद हुए, जिनमें कुल 250.900 किलोग्राम गोंद था। वन विभाग के अनुसार, संभवतः आरोपी घेराबंदी के डर से मार्ग से दूर पुलिया के नीचे गोंद छिपाकर भागा था। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

रतलाम में मेडिकल स्टूडेंट ने सुसाइड अटेम्प्ट किया

मैसेज किया- सामान नहीं चुराया, बाय-बाय; रैगिंग के आरोप में 6 माह के लिए हुआ था संस्पेंड

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम के डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय मेडिकल कॉलेज के थर्ड ईयर के छात्र अमोलिक वर्मा (21) ने रविवार को जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड का प्रयास किया। उसने अपने दोस्तों के व्हाट्सएप ग्रुप पर चोरी का आरोप लगने से आहत होकर एक मैसेज भेजा था। महू निवासी छात्र की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे इंदौर के बांबे अस्पताल रेफर कर दिया गया है। छात्र अमोलिक ने रविवार दोपहर करीब 3 बजे छात्रों के व्हाट्सएप ग्रुप पर एक मैसेज किया था। उसने लिखा था कि मैंने हॉस्टल से कोई सामान नहीं चुराया है, बाय-बाय। यह मैसेज पढ़ते ही ग्रुप से जुड़े उसके दोस्त तुरंत गंगासागर स्थित उसके फ्लैट पर पहुंचे। इसके बाद दोपहर करीब 4 बजे उसे मेडिकल कॉलेज लाकर भर्ती कराया गया।

3 घंटे इलाज के बाद इंदौर किया गया रेफर: मेडिकल कॉलेज में करीब 3 घंटे तक छात्र का इलाज चला। बताया जा रहा है कि छात्र ने सल्फास की गोलियां खाई थीं। आत्महत्या का प्रयास करने की खबर मिलते ही कॉलेज में हड़कंप मच गया और तुरंत परिजनों को सूचना दी गई। शाम को माता-पिता के पहुंचने के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए कॉर्डिएक एंबुलेंस से उसे इंदौर रेफर कर दिया गया।

डीन बोलीं- चोरी का आरोप लगने की बात सामने आई: मेडिकल कॉलेज की डीन अनिता मूथा ने बताया कि छात्र पर चोरी का आरोप लगने की जानकारी सामने आई है। इसी से परेशान होकर उसने मैसेज किया था, जिसके बाद दोस्त उसे अस्पताल लेकर आए और आईसीयू में उपचार शुरू किया गया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रदीप मिश्रा ने बताया कि अमोलिक 2023 बैच का छात्र है, जो गंगासागर कॉलोनी में किराये से रहता था।

रैगिंग के मामले में 6 महीने के लिए हुआ था सस्पेंड: अमोलिक वर्मा को 7 अगस्त 2025 की रात मेडिकल कॉलेज हॉस्टल में हुई रैगिंग के मामले में सस्पेंड किया गया था। उसने सेकंड ईयर के छात्र आयुष्मान पांडे के साथ मिलकर फर्स्ट ईयर के एक स्टूडेंट के बाल ट्रिमर से काटकर उसे गंजा कर दिया था। इस मामले में कॉलेज प्रबंधन ने अमोलिक को 6 महीने के लिए एकेडमिक गतिविधियों से सस्पेंड कर हॉस्टल से निकाल दिया था। इसके बाद से ही वह गंगासागर कॉलोनी के ए ब्लॉक में कमरा लेकर रह रहा था।

सप्लीमेंट्री परीक्षा दे रहा था छात्र, पुलिस कर रही जांच: सस्पेंड होने के कारण अमोलिक 6 महीने तक क्लास अटेंड नहीं कर पाया था और वार्षिक परीक्षा भी नहीं दे सका था। वर्तमान में उसकी सप्लीमेंट्री परीक्षाएं चल रही थीं। उसने 2 मई को माइक्रोबायोलॉजी की परीक्षा दी थी और सोमवार 7 मई को उसका पैथोलॉजी का प्रैक्टिकल व फार्माकोलॉजी की परीक्षा होनी थी। औद्योगिक क्षेत्र थाने के एसआई ध्यानसिंह सोलंकी ने बताया कि घटनाक्रम की विस्तृत जांच की जा रही है।

अवैध शराब मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

इटारसी पुलिस ने नागपुर से दबोचा पहले पकड़ी थी लाखों की खेप

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी (नर्मदापुरम)। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में इटारसी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने भारी मात्रा में शराब के साथ पकड़े गए आरोपियों के बाद अब फरार चल रहे मुख्य आरोपी को नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 24 अप्रैल 2026 को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर शुरू हुई थी। सूचना थी कि बैतूल मार्ग से एक सफेद टाटा कार में अवैध शराब की बड़ी खेप इटारसी लाई जा रही है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोका। तलाशी के दौरान कार से 26 पेटी शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा लगभग 241.200 लीटर थी। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 6.45 लाख रुपये बताई गई है।

दो आरोपी गिरफ्तार: मौके से अब्दल जाहिद अंसारी और हेमंत राजपूत नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, उनका तीसरा साथी संदीप मिहानी घटना के बाद से फरार चल रहा था। फरार आरोपी संदीप मिहानी की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। सायबर टीम की मदद से उसकी लोकेशन नागपुर के आसपास ट्रेस की गई। यह जानकारी मिलते ही एक विशेष टीम का गठन किया गया और उसे तत्काल नागपुर के लिए रवाना किया गया। नागपुर पहुंचने पर पुलिस टीम ने अपनी सतर्कता और तकनीकी सहायता का उपयोग करते हुए आरोपी संदीप मिहानी (38), निवासी भाट मोहल्ला इटारसी, को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लंबे समय से पुलिस से छिपने का प्रयास कर रहा था।

पटाखों से शादी वाले घर में लगी आग

मीडिया ऑडीटर,आगर मालवा (निप्र)। कोतवाली पुलिस और स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू हादसे की खबर मिलते ही नगर पालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। मकान मालिक लक्की ने बताया कि इस घटना में शादी का करीब एक लाख रुपए का सामान जलकर नष्ट हो गया।

खाली गैस सिलेंडर रखे थे: राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। जिस कमरे में आग लगी, वहां दो घरेलू गैस सिलेंडर रखे थे, लेकिन उनके खाली होने के कारण बड़ा धमाका नहीं हुआ। पुलिस ने मौके का मुआयना कर नुकसान का आकलन और मामले की जांच शुरू कर दी है।

नौगांव में सड़कों पर कार से स्टंटबाजी

अतिक्रमण-रफ्तार से बढ़े हादसे , हालिया हादसों से भी सबक नहीं

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के नौगांव में सड़कें अब सुरक्षित आवागमन का माध्यम कम और खतरे का मैदान ज्यादा बनती जा रही हैं। लापरवाही, अतिक्रमण और प्रशासनिक उदासीनता ने हालात ऐसे बना दिए हैं कि यहां हादसे अपवाद नहीं, बल्कि लगातार दोहराई जा रही सच्चाई बन गए हैं। सोमवार को सामने आए एक वायरल वीडियो ने स्थिति की गंभीरता उजागर कर दी। वीडियो में दो युवक चलती कार के दरवाजों पर लटककर कोठी चौराहा से नगर पालिका चौराहा तक स्टंट करते नजर आ रहे हैं। यह इलाका शहर का व्यस्त बाजार और शैक्षणिक केंद्र है, जहां हर दिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं गुजरते हैं। कुछ ही दिन पहले मऊसानिया के एक युवक की सड़क हादसे में मौत हुई थी। इससे पहले परीक्षा देने जा रही एक छात्रा की ई-रिक्शा हादसे में जान गई। इन घटनाओं के बावजूद न तो रफ्तार पर लगाम लगी और न ही स्टंटबाजी पर रोक।

चौड़ी सड़कें, लेकिन अतिक्रमण से सिकुड़ीं: नगर पालिका ने सड़कों का चौड़ीकरण तो कराया, लेकिन किनारों पर बढ़ते अतिक्रमण ने हालात बिगाड़ दिए हैं। दुकानों का सामान और अस्थायी कब्जे सड़क तक फैल चुके हैं, जिससे यातायात के लिए वास्तविक जगह कम हो गई है। यही संकीर्णता दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन रही है। कोठी चौराहा से नगर पालिका चौराहा तक का इलाका गर्ल्स स्कूल और कोचिंग संस्थानों के कारण संवेदनशील है। यहां तेज रफ्तार और स्टंटबाजी सीधे छात्रों की सुरक्षा को खतरे में डाल रही है। कार्रवाई पर सवाल: हादसे के बाद ही क्यों जागता सिस्टम

स्थानीय लोगों का सवाल है कि आखिर पुलिस और प्रशासन सख्ती कब दिखाएंगे। अवैध साइलेंसर, तेज रफ्तार और स्टंट करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही क्या हर बार किसी बड़ी घटना के बाद ही व्यवस्था सक्रिय होगी छात्रा की मौत के बाद नगर पालिका ने अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया, लेकिन वह कुछ दिनों में ही ठंडा पड़ गया। वर्तमान में भी सड़क किनारे कब्जे जस के तस हैं।

ओंकारेश्वर में नर्मदा संरक्षण की अनूठी पहल

आटे के दीपकों से हो रहा दीपदान, महिलाओं को भी मिल रहा रोजगार

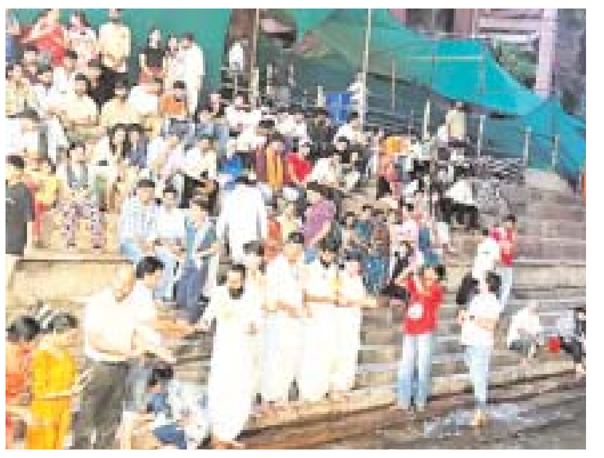

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। मध्यप्रदेश की जीवन रेखा मानी जाने वाली नर्मदा नदी को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए ओंकारेश्वर में एक सराहनीय पहल शुरू की गई है। ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट द्वारा अब नर्मदा महाआरती के दौरान दीपदान के लिए आटे से बने पर्यावरण अनुकूल दीपकों का उपयोग कराया जा रहा है। यह पहल धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रही है। खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आटे से तैयार दीपक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य नर्मदा में प्लास्टिक, थर्माकोल और अन्य हानिकारक सामग्री के प्रवाह को रोकना है, जो लंबे समय से नदी प्रदूषण का कारण बन रही थीं।

हर दिन हो रही भव्य नर्मदा महाआरती: ओंकारेश्वर में अब हर शाम मां नर्मदा के तट पर भव्य महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन हरिद्वार और ऋषिकेश की तर्ज पर शुरू किया गया है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र होकर दीपदान करते हैं। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु इस आध्यात्मिक आयोजन में शामिल होकर आस्था प्रकट कर रहे हैं।

पर्यावरण और जीव-जंतुओं के लिए सुरक्षित: प्रशासन के अनुसार, आटे से बने दीपकों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि दीपक की बत्ती बुझने के बाद आटा पानी में घुल जाता है। इससे नदी को कोई नुकसान नहीं होता, बल्कि यह मछलियों और अन्य जलीय जीवों के लिए भोजन का कार्य करता है। इस पहल से जल प्रदूषण पर नियंत्रण और जैव विविधता संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

महिलाओं को मिल रहा रोजगार: इस पहल का सामाजिक पक्ष भी मजबूत है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को आटे के दीपक बनाने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इससे स्थानीय महिलाओं को रोजगार मिल रहा है और वे आत्मनिर्भर बन रही हैं।

आस्था के साथ जागरूकता का संदेश: प्रशासन का मानना है कि यह पहल केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह श्रद्धालुओं के बीच स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का एक प्रभावी माध्यम भी बन रही है। ओंकारेश्वर में शुरू हुआ यह प्रयास अन्य धार्मिक स्थलों के लिए भी एक प्रेरणा बन सकता है।

शादी समारोह से 3 लाख के जेवर चुराने वाला गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर पुलिस ने एक शादी समारोह से जेवर चोरी करने वाले आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से लगभग 3 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं।यह मामला 24 अप्रैल का है, जब फरियादी मोहन वर्मा के बच्चों की शादी राजा भोज गार्डन (मुरली रोड) में चल रही थी। इसी दौरान कमरे में रखे एक बैग से उनकी भतीजियों के कीमती गहने चोरी हो गए थे। अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाकर बैग से जेवर चुरा लिए थे।घटना की शिकायत के बाद, कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया। थाना प्रभारी रविन्द्र यादव ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति गहनों के साथ देखा गया है।

सूचना के आधार पर, पुलिस ने संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर, उसने राजा भोज गार्डन से जेवर चोरी करने का जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर, पुलिस ने चोरी हुए लगभग 3 लाख रुपए के सभी जेवरात बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि शादियों के सीजन में मैरिज गार्डन और सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ का फायदा उठाकर चोर गिरोह सक्रिय रहते हैं। इसलिए, अपने कीमती सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें।

पिपरिया में नॉन स्टॉप ट्रेन से गिरा यात्रीट्रेन ऊपर से निकली रेलवे

आरक्षकों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया

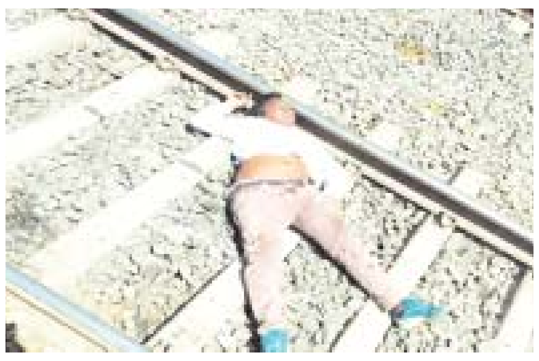

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। सोमवार को पिपरिया प्लेटफार्म पर पुणे-दानापुर स्पेशल नॉनस्टॉप ट्रेन से एक यात्री गिरकर पटरियों के बीच पहुंच गया। पूरी ट्रेन उसके ऊपर से गुजर गई, लेकिन यात्री चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गया। गंभीर रूप से घायल यात्री को रेलवे आरक्षकों ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया। यह घटना उस समय हुई जब ट्रेन पिपरिया स्टेशन से गुजर रही थी। यात्री के अचानक नीचे गिरने से प्लेटफार्म पर हड़कंप मच गया। ट्रेन निकलने के बाद स्टेशन पर तैनात जीआरपी आरक्षक शिव प्रताप सिंह और आरपीएफ के बनवारी लाल ने देखा कि यात्री पटरियों के बीच पड़ा था। आरक्षकों ने तत्काल घायल यात्री को स्ट्रेचर की मदद से पिपरिया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

सिर में गिट्टी लगने से गंभीर: डॉक्टर एसपी सिंह ने बताया कि यात्री के सिर के पिछले हिस्से में गिट्टी लगने से गंभीर चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। आरक्षक शिव प्रताप सिंह ने घायल यात्री की पहचान इटारसी निवासी 56 वर्षीय मनोज कोरी के रूप में की है। मनोज कोरी इटारसी में एमपीईबी में कार्यरत हैं। उनके परिजनों और स्थानीय बिजली स्टाफ को घटना की सूचना दे दी गई है। आरक्षक ने बताया कि ट्रेन के पहिए यात्री के सिर और पैर के पास से कुछ इंच की दूरी से निकले, जिससे उसकी जान बच गई।

गेहूं साफ करते समय दुपट्टा मशीन में फंसा, मौत

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के बांसखेड़ा गांव में रविवार शाम गेहूं साफ करने वाली मशीन में दुपट्टा फंसने से एक मजदूर युवती की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल युवती को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अभाव में परिजन युवती का शव लेकर घर लौट गए थे। लगभग चार घंटे बाद, रात करीब 10 बजे, वे शव को पिपरिया के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे।

दुपट्टा फंसने से गई जान: मंगलवारा थाना उप निरीक्षक एमएस बट्टी ने बताया कि मशीन के पंखे में दुपट्टा फंसने से युवती की गर्दन और कान के पास गंभीर चोटें आई थीं। मृतका की पहचान खामखेड़ी निवासी 17 वर्षीय रश्मि के रूप में हुई है। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

जानकारी नहीं होने पर गांव ले गए थे: मृतक के जीजा दिनेश ठाकुर ने बताया कि निजी अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद, जानकारी न होने के कारण वे शव लेकर गांव वापस चले गए थे। बाद में ग्रामीणों की सलाह पर उन्होंने रात में पिपरिया अस्पताल आकर मंगलवारा थाने को सूचना दी।

मल्हारगढ़ के पास कार ने बाइक को मारी टक्कर

दो युवक घायल, एक इंदौर रेफर नई बाइक लेकर सांवलिया सेठ जा रहे थे

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ के नजदीक देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। उज्जैन जिले के चार युवक दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर राजस्थान स्थित सांवलिया सेठ मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे, इसी दौरान एक अज्ञात कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

दो बाइक पर सवार थे चारों युवक: जानकारी के अनुसार, विशाल (पिता बलराम नरवरे) निवासी गनावा, सावन (पिता रूप सिंह, उम्र 17 वर्ष) निवासी गनावा, गोपाल (पिता तेजाराम, उम्र 22 वर्ष) और गौतम (पिता तेजाराम, उम्र 22 वर्ष) निवासी उज्जैन, शाम करीब 6 बजे उज्जैन से निकले थे। गोपाल और सावन एक बाइक पर जबकि विशाल और गौतम दूसरी बाइक पर सवार थे।

रात 12 बजे हुआ हादसा: रात करीब 12 बजे जैसे ही वे मल्हारगढ़ के पास पहुंचे, पीछे आ रही बाइक को एक अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में गोपाल और सावन गंभीर रूप से घायल हो गए। आगे चल रहे विशाल और गौतम को जब साथी नजर नहीं आए तो वे लौटकर आए, तब हादसे की जानकारी मिली। एम्बुलेंस नहीं पहुंची, नगर पालिका वाहन से अस्पताल पहुंचाया घटना के बाद 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई, लेकिन समय पर नहीं पहुंच सकी। इसके बाद नगर पालिका की एंबुलेंस से घायलों को मल्हारगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया।

सावन की हालत नाजुक, इंदौर ले गए परिजन: जिला अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉ. मोइन नियारगर ने बताया कि सावन की गंभीर हालत को देखते हुए उसे रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर करने की सलाह दी गई थी, लेकिन परिजन उसे इंदौर ले गए। सावन के सिर में करीब 15 टांके और होंठ पर 5 टांके लगाए गए हैं, उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं गोपाल को सिर और चेहरे पर चोट आई है, हालांकि डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत खतरे से बाहर है।

नई बाइक लेकर निकले थे दर्शन के लिए: बताया जा रहा है कि गौतम ने हाल ही में नई बाइक खरीदी थी और उसी से सभी युवक सांवलिया सेठ के दर्शन के लिए जा रहे थे। फिलहाल पुलिस अज्ञात कार चालक की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है।

आईपीएल 2026: एमआई ने आरआर और एसआरएच को पीछे छोड़ा, पंजाब किंग्स से इस मामले में अब भी पीछे

मुंबई ,एजेंसी। आईपीएल 2026 में सोमवार की शाम को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच मुकाबला खेला गया। एमआई ने रोहित शर्मा और रयान रिकल्टन की धमाकेदार पारियों की बदौलत एलएसजी को 6 विकेट से हरा दिया। आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई की यह सबसे बड़ी जीत थी। एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निकोलस पूरन के 21 गेंदों पर बनाए 63 रन की मदद से 5 विकेट पर 228 रन बनाए थे। रोहित शर्मा और रयान रिकल्टन ने एमआई के

लिए पारी की शुरुआत की। पहले विकेट के लिए दोनों ने 10.5 ओवर में 143 रन की साझेदारी की। रिकल्टन ने 32 गेंदों पर 8 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 83 रन की पारी खेली। रोहित शर्मा ने 44 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 84 रन की पारी खेली। नमन धीर 12 गेंदों पर 23 और विल जैक्स 4 गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद रहे। रिकल्टन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। एलएसजी के खिलाफ जीत के बाद एमआई आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 200 या उससे अधिक का लक्ष्य हासिल करने वाली दूसरी टीम बन गई है। आईपीएल में यह सातवां मौका था, जब एमआई ने 200 या उससे बड़े लक्ष्य को हासिल किया है। इस सीजन में एमआई ने दूसरी बार यह उपलब्धि हासिल की है। एमआई ने सर्वाधिक बार 200 या उससे अधिक रन के लक्ष्य को हासिल करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को पीछे छोड़ा। दोनों टीमों ने 6-6 बार यह उपलब्धि हासिल की है। आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 200 या उससे अधिक रनों का लक्ष्य हासिल करने की उपलब्धि पंजाब किंग्स के नाम है। पंजाब ने 11 बार ऐसा किया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के नाम 5 बार 200 या उससे अधिक रन के लक्ष्य को हासिल करने की उपलब्धि है।

जोकोविच सहित शीर्ष खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन से पहले इनामी राशि सहित कई मामलों को लेकर नाराजगी जतायी

पेरिस,एजेंसी। नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, आर्यना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई स्टार खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले इनामी राशि के अलावा कई अहम मुद्दों को लेकर चिन्ता जतायी है। फ्रेंच ओपन इसी माह 24 मई से पेरिस में खेला जाएगा। ऐस में टूर्नामेंट से पहले शीर्ष खिलाड़ियों की नाराजगी से आयोजकों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विरोध कर रहे खिलाड़ियों का कहना है कि पुरस्कार राशि ही नहीं बेहतर प्रतिनिधित्व के आलावा खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और पेंशन जैसे मामलों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिये। इन खिलाड़ियों के अनुसार ग्रैंड स्लैम जैसे बड़े आयोजनों में खिलाड़ियों की मेहनत और योगदान को जितनी मान्यता मिलने चाहिये वह नहीं मिल रही है।

फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने हालांकि कुछ समय पहले इनामी राशि 10 फीसदी बढ़ा दी थी पर खिलाड़ी इससे संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि यह वृद्धि आयोजकों को टूर्नामेंट से हो रही रही बढ़ती कमाई के मुकाबले काफी कम है। इन स्टार खिलाड़ियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर आरोप लगाया है कि टूर्नामेंट के कुल राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी लगातार घट रही है। उनके आंकड़ों के अनुसार, जहां 2024 में यह हिस्सा 15.5फीसदी थी वही अब घटकर 14.9 फीसदी रह गयी है। साथ ही कहा कि 2025 में फ्रेंच ओपन का कुल राजस्व 395 मिलियन यूरो तक पहुंच गया था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि थी।

आईपीएल 2026: टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करेगी एसआरएच, केकेआर की प्लेइंग इलेवन में मनीष पांडे को जगह

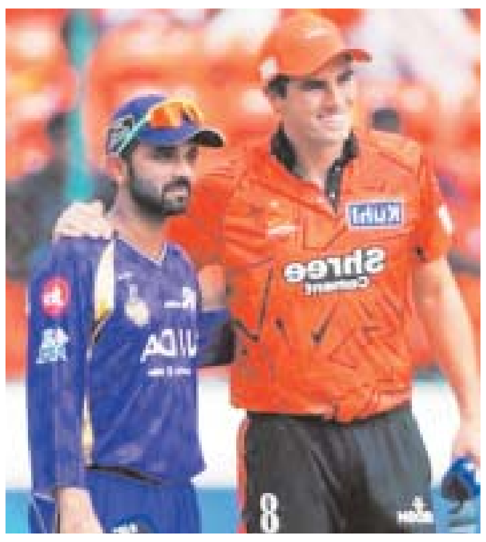

हैदराबाद , एजेंसी। आईपीएल 2026 का 45वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेला जा रहा है। एसआरएच के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। टॉस जीतने के बाद कमिंस ने कहा, हम पहले बल्लेबाजी करेंगे। पिच अच्छी लग रही है और बहुत गर्म है। हम बल्लेबाजी करेंगे और टोटल बनाएंगे। मैं पिच को पढ़ने में अच्छा नहीं हूं। यह अच्छी खेलती है और हाई स्कोरिंग होगी। युवा खिलाड़ी शानदार रहे हैं, पुराने खिलाड़ियों ने खुद को संभाला है, मुझे लगता है कि हम एक बार छोड़कर हमेशा 220 के पार गए हैं। हम जानते हैं कि हम हर गेम नहीं जीतेंगे, लेकिन यह अंदाज हमारे लिए अच्छा काम कर रहा है। नीतीश बीमारी की वजह से नहीं खेल पाएंगे। स्मरण डेब्यू कर रहे हैं। हर्षल पटेल हर्ष दुबे की जगह वापस आए हैं। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, हम भी पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे। ब्रेक से हमें सच में मदद मिली है, हमने उन चीजों के बारे में सोचा है जो हमने अच्छी कीं और उन एरिया के बारे में भी सोचा है जहां हम सुधार कर सकते हैं।

निशिकोरी इस सत्र के बाद टेनिस को कहेंगे अलविदा

टोक्यो ,एजेंसी। जापान के दिग्गज पुरुष टेनिस खिलाड़ी केई निशिकोरी इस सत्र के अंत में खेल को अलविदा कह देंगे। रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता रहे निशिकोरी किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी हैं। 36 साल के हो रहे निशिकोरी ने अपने संन्यास की योजना सोशल मीडिया में साझा की है। निशिकोरी ने कहा, मैंने इस सत्र के अंत में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेना तय किया है। साथ ही कहा कि टेनिस उनका बचपन का जुनून रहा है।

उन्होंने एटीपी टूर तक पहुंचने, शीर्ष स्तर के मुकाबले खेलने और शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उपलब्धि पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि इस दौरान उन्हें प्रशंसकों का भी भरपूर प्यार मिला।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए, निशिकोरी ने स्वीकार किया कि बार-बार लगने वाली चोटों ने उन्हें बहुत परेशान किया। ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से वह तनाव के कारण अवसाद ग्रस्त भी हुए हैं। जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था, उन्होंने कहा। इसके बावजूद, टेनिस के प्रति उनके प्रेम और एक मजबूत खिलाड़ी बनने के विश्वास ने उन्हें हमेशा कोर्ट पर वापस लौटने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी जिंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। निशिकोरी ने स्वीकार किया कि वह अब भी अपना खेल करियर जारी रखना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने गर्व के साथ कहा कि उन्होंने अपना सब कुछ दिया। उन्होंने अपनी यात्रा पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं।

निशिकोरी ने पांच साल की उम्र से खेलना शुरु किया था। वह 13 साल की उम्र में वे अमेरिका चले गए, जहाँ उनका खेल बेहतर हुआ। उन्होंने फरवरी 2008 में उन्होंने डेलरे बीच ओपन में अपना पहला खिताब जीता। वहीं शीर्ष 10 में पहुंचने वाले पहले जापानी टेनिस खिलाड़ी रहे। उन्होंने साल 2014 अमेरिकी ओपन में सर्बिया के शीर्ष खिलाड़ी रहे नोवाक जोकोविच को हराया था।

गगन नारंग: ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप में पदक जीत बढ़ाया देश का नाम

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत में निशानेबाजी के क्षेत्र में गगन नारंग का नाम बहुत ही सम्मान के साथ लिया जाता है। नारंग ने ओलंपिक में पदक जीतकर वैश्विक मंच पर देश का नाम रोशन किया है। गगन नारंग का जन्म 6 मई 1983 को चेन्नई, तमिलनाडु में एक पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ था। गगन का परिवार हरियाणा के पानीपत जिले के शिमला गुजरां गांव से है। नारंग के पिता भीमसेन नारंग को नौकरी की वजह से हैदराबाद में रहना पड़ा, जहां उनका पालन-पोषण हुआ। हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) की पढ़ाई करने वाले नारंग ने 1997 में निशानेबाजी शुरू की थी। इसी साल उनके पिता ने उन्हें एयर पिस्टल भेंट की थी। नारंग के करियर पर गौर करें तो उन्होंने 26 अक्टूबर 2003 को हैदराबाद में एफ्रो एशियाई खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद विश्व कप 2006 में एयर राइफल स्वर्ण पदक जीता। नारंग ने 2006 के राष्ट्रमंडल खेलों में 4 स्वर्ण पदक जीता था।2008 में चीन में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद, नारंग 2008 आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के लिए क्वालीफाई हुए थे। उन्होंने अंतिम राउंड में 103.5 स्कोर किया और कुल स्कोर 703.5

बनाकर यूनिवर्स रिकॉर्ड हासिल किया। 4 नवंबर 2008 को, उन्होंने स्पेन के ग्रेनाडा में 2006 विश्व कप फाइनल में स्थापित ऑस्ट्रिया के थॉमस फार्निक का रिकॉर्ड तोड़ा। नारंग ने नई दिल्ली में 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में 4 स्वर्ण पदक जीते थे। गगन ने 2010 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। लंदन में 2012 में आयोजित ओलंपिक गगन नारंग के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि लेकर आया। नारंग ने 10-मीटर एयर राइफल इवेंट में 701.1 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता था। ग्लासगो में 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में नारंग ने 50-मीटर राइफल प्रोन और 50-मीटर राइफल 3 पोजिशन में कमशः 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीता।

हार्दिक के बाहर होते ही रोहित की मुबई इंडियंस में वापसी से उठे

मुम्बइ ,एजेंसी । मुंबई इंडियंस में लगता है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। ड्रेसिंग रूम में जारी टकराव का प्रभाव मैदान पर भी नजर आने लगा है। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मैच में एक बार फिर ये देखने में आया है। इस मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या के अचानक बाहर होने के बाद पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की मैच में वापसी पर भी सवाल उठे हैं।

सोमवारर रात हुए इस मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को छह विकेट से हरा दिया हालांकि इस मैच में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर रही कि पिछले कुछ समय से लगातार चोटिल रहे रोहित अचानक ही अंतिम ग्यारह में शामिल हो गए, जबकि नियमित कप्तान पंड्या मैच से बाहर थे। रोहित ने इस मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में ही छह चौके और सात छक्कों की सहायता से 84 रन बनाकर मुम्बई की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर और किकेट जानकारों के बीच यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि रोहित फिटनेस को लेकर जानबूझकर अंतिम ग्यारह से बाहर थे और जैसे ही पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया, रोहित खेलने के तैयार हो गए। ये भी कहा जा रहा है रोहित, हार्दिक की कप्तानी में खेलने को लेकर सहज नहीं हैं। इसी लिए उन्होंने सूर्यकुमार की कप्तानी में वापसी की। इससे मुंबई इंडियंस में जारी मतभेद सामने आ गये हैं। कहा जा रहा है कि हार्दिक को कप्तानी से कई खिलाड़ी खुश नहीं हैं। इसी कारण टीम हार्दिक की कप्तानी में लगातार असफल ररही है और प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायी है। पिछले सत्र में भी यही हुआ था। हालांकि पंड्या के अचानक मैच से बाहर होने के पीछे पीठ में अकड़न बताई गई है। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन के बयान से ये अंदाजा होता है। रेयान ने कहा,कि उन्हें मैच के दिन ही दोपहर में हार्दिक की चोट का पता चला था। साथ ही कहा कि ये कितनी गंभीर है ये उन्हें जानकारी नहीं थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि हार्दिक अगले मैच में टीम के साथ होंगे। इससे पहले, कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय हार्दिक के चोटिल होने की पुष्टि की थी। सवाल यह है कि क्या यह चोट इतनी गंभीर थी कि हार्दिक को बाहर बैठना पड़ा, या इसके पीछे कोई और रणनीति काम कर रही थी, जिसने रोहित की वापसी का रास्ता साफ किया? अब देखना है कि मुंबई इंडियंस टीम प्रबंधन कैसे इस आंतरिक संघर्ष को समाप्त करता है।

सेविला ने रियल सोसिएदाद को 1-0 से हराया

सेविला ,एजेंसी। ` खिलाफ 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे हाफ की शुरुआत में एलेक्सिस का एक गोल निर्णायक साबित हुआ। इससे टक्सुरी उर्दिन के पास पांचवां स्थान हासिल करने का बहुत कम मौका बचा। रियल ने अच्छी शुरुआत की लेकिन मौकों को गोल में बदल पाने में सफलता नहीं मिली। सेविला, अपनी स्थिति की गंभीरता और अपने घरेलू दर्शकों के समर्थन से उत्साहित होकर, ब्रेक से पहले ज्यादा खतरनाक लग रहा था। दूसरे हाफ की शुरुआत रियल सोसिएदाद के लिए एक अच्छे मौके के साथ हुई जब ओस्कारसन ने एक कॉस दिया जिसे ओयारजाबल आसानी से नहीं पहुंचा पाए। लेकिन सेविला ने अपने पहले असली मौके का पूरा फायदा उठाया, एलेक्सिस ने मेजबान टीम को आगे कर दिया। उस पॉइंट से, रियल सोसिएदाद का अटैक फीका रहा, और वे कभी भी ऐसे मौके नहीं बना पाए जिनसे बराबरी हो सकती थी। एक हार जिससे पांचवें नंबर पर रहने की उनकी उम्मीदें लगभग खत्म हो गईं। चार मैच बाकी हैं, और उनका मकसद सीजन को मजबूती से खत्म करना है। सेविला के कोच लुइस गार्सिया प्लाजा ने कहा, लेवांटे

के खिलाफ पहले हाफ में टीम बहुत बुरी हालत में थी। तब से, हमने पांच गेम खेले हैं और मुझे लगता है कि हमने जो पॉइंट्स कमाए हैं, उन्हें देखते हुए हमने बहुत बुरा नहीं खेला है। टीम बेहतर हो रही है, और पहला हाफ दबाव बनाने, गोल करने के मौकों और अटैकिंग खेल के मामले में बहुत अच्छा था। यह 3-0 से खत्म होना चाहिए था, लेकिन हमें बहुत नुकसान होने वाला है। सेविला के स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज ने जीत के बाद कहा, मैं शांत रहा और मैच को अच्छे से खत्म किया। इसीलिए वे मुझे यहां लाए, मेरे अनुभव के लिए, और मैं इसे दिखाता रहता हूं क्योंकि मैं शारीरिक रूप से फिट हूं।

उंगली की चोट के बाद इग्लैंड लौटे आरसीबी के ओपनर फिल सॉल्ट

नई दिल्ली ,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा झटका लगा है। टीम के ओपनर फिल सॉल्ट चोटिल उंगली के स्कैन के लिए इंग्लैंड वापस लौट गए हैं। सॉल्ट टीम के आखिरी तीन मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में उनके हमवतन जैकब बेथेल को टॉप ऑर्डर में विराट कोहली का साझेदार बनाया गया है। 29 वर्षीय सॉल्ट ने 18 अप्रैल को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान बाउंड्री बचाने की कोशिश में डाइव लगाई थी। इस प्रयास में सॉल्ट अपने बाएं हाथ की उंगली चोटिल करवा बैठे थे। ईएसपीएनकिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, सॉल्ट नेशनल टीम के मैनेजमेंट के कहने पर आगे की जांच के लिए घर लौट आए। सॉल्ट का इंग्लैंड एंड वेल्स किकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट है।

रिपोर्ट में कहा गया है, खिलाड़ी और फ्रेंचाइजी दोनों को उम्मीद है कि सॉल्ट की उंगली जल्द ही ठीक हो जाएगी, ताकि वह इस महीने भारत लौट सकें।

आरसीबी का लक्ष्य पिछले सीजन में पहली बार जीते गए खिताब को बचाना है। अगर चोट के कारण सॉल्ट का शेष सीजन में खेलना नामुमकिन होता है, तो आरसीबी आईपीएल नियमों के तहत सॉल्ट के रिप्लेसमेंट को साइन करने के लिए योग्य होगी, लेकिन उम्मीद है कि फ्रेंचाइजी उन्हें ठीक होने का हर मौका देगी। फिल सॉल्ट ने आईपीएल 2026 में अब तक 6 मैच खेले हैं, जिसमें 33.66 की औसत के साथ 202 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 अर्धशतक निकले। आरसीबी फिलहाल 9 में से 6 मुकाबले जीतकर प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर मौजूद है। इस टीम ने अपने पिछले 5 में से 3 मैच जीते हैं। आरसीबी अपना अगला मुकाबला 7 मई को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना किकेट स्टेडियम में खेलेगी, जिसमें उसका सामना लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा।

अटल डिजिटल सुविधा केंद्र गांवों तक पहुँची बैंकिंग सेवा

साल भर में 27 करोड़ से अधिक का लेनदेन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में बैंकिंग सेवाओं को सरल और सुलभ बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा शुरू की गई अटल डिजिटल सेवा केंद्र योजना रंग ला रही है। पिछले वर्ष अप्रैल में शुरू हुए इन केंद्रों ने न केवल बैंकिंग दूरियां खत्म की हैं, बल्कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्ड और प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रकिया को भी आसान बना दिया है।

बलौदाबाजार-भाटापारा में बड़ा आर्थिक बदलाव: जिले के 381 गांवों में संचालित अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों ने एक वर्ष के भीतर 27 करोड़ 8 लाख रुपये का रिकॉर्ड ट्रांजेक्शन (लेनदेन) दर्ज किया है। विकासखंडवार प्रदर्शन इस प्रकार रहा बलौदाबाजार के 76 केंद्रों में 8 करोड़ 56 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। इसी प्रकार कसडोल के 92 केंद्रों में 5 करोड़ 62 लाख रुपये, पलारी के 63 केंद्रों में 5 करोड़ 10 लाख रुपये, भाटापारा के 69 केंद्रों में 4 करोड़ 94 लाख रुपये और सिमगा के 81 केंद्रों में 2 करोड़ 93 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ।

बुजुर्गों और किसानों को मिली बड़ी राहत: अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों ने बैंकिंग सेवाओं को ग्रामीणों के द्वार तक पहुँचा दिया है। इन केंद्रों के माध्यम से मुख्य रूप से आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम (ePS) का उपयोग किया जा रहा है। इससे वृद्धावस्था पेंशन, किसान सम्मान निधि और मनरेगा की मजदूरी निकालने के लिए अब बुजुर्गों और किसानों को शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ ये केंद्र ग्रामीणों को डिजिटल साक्षरता के प्रति भी जागरूक कर रहे हैं।

समय और धन की बचत: एक वर्ष में 27 करोड़ रुपये का सफल लेनदेन इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी का प्रवाह सुगम हुआ है। इससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है, बल्कि ग्रामीणों के बहुमूल्य समय और परिवहन पर होने वाले अनावश्यक खर्च की भी बड़ी बचत हो रही है।

सपना देखना और उसे लक्ष्य में बदलकर निरंतर प्रयास करना ही सफलता की कुंजी

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 10वीं-12वीं के मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हौसला बुलंद रखना सबसे आवश्यक है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 10वीं-12वीं के मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान बलरामपुर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित इस कार्यकम में मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया और उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। अधिकांश विद्यार्थियों ने डॉक्टर और इंजीनियर बनने की इच्छा व्यक्त की, वहीं कुछ ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) और न्यायिक सेवा में जाने का संकल्प व्यक्त किया। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 10वीं-12वीं के मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों के सपनों की सराहना करते हुए कहा कि सपना देखना और उसे लक्ष्य में बदलकर निरंतर प्रयास करना ही सफलता की कुंजी है।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि समर्पण, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ मेहनत की जाए, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री साय ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों के अभिभावकों एवं शिक्षकों को भी बधाई देते हुए कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे उनके मार्गदर्शन, सहयोग और त्याग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उत्कृष्ट विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री से मिलने का मिला अवसर

इस अवसर पर जिले के कक्षा 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों में वाड्रफनगर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करमडीहा की कुमारी प्रतिभा गुप्ता, रामचंद्रपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामवंतपुर की कुमारी स्नेहा कुशवाहा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सनवाल के सोनू, वाड्रफनगर के कृष्णा, आदर्श हायर सेकंडरी विद्यालय बलंगी की कुमारी प्रिया लता कश्यप तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बर्तीकला के अजय गुप्ता, कक्षा 10वीं के मेधावी विद्यार्थियों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामवंतपुर के आर्यन गुप्ता, नेशनल पब्लिक इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल रजखेता की कुमारी आराधना पटेल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रघुनाथनगर की कुमारी रोशनी कांशी, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सेमरा कुसमी की आलिया परवीन तथा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय रामानुजगंज की आरजू परवीन को मुख्यमंत्री से मिलने और मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला।

प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण हेतु अधिकारियों के पदस्थापना में आंशिक परिवर्तन

रमीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन द्वारा प्रशासनिक कार्यों में गति, समन्वय एवं दक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से अधिकारियों के पदस्थापना में आंशिक परिवर्तन किया गया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा एवं आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेगा। इस संबंध में जारी आदेशानुसार, सु अंकिता गर्ग (रा.प्र.से.), उप सचिव कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए उनकी शेष पदस्थापना यथावत रखी गई है, जबकि मती सरोज उइके, उप सचिव, जो वर्तमान में खनिज साधन विभाग में पदस्थ थीं, उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में नवीन पदस्थापना प्रदान की गई है। राज्य शासन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे नवीन पदस्थापना पर तत्काल कार्यभार ग्रहण कर नियमानुसार पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

कटहल-गुलमोहर की छांव में सजी चौपाल

खाट में बैठकर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, सुनी समस्याएं, समाधान के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान के ग्राम सरोधी पहुंचे, जहां उन्हें अपने बीच पाकर ग्रामीणों में उत्साह, आत्मीयता और अपनत्व का अनोखा दृश्य देखने को मिला। मुख्यमंत्री के आगमन से गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण उन्हें देखने और उनसे मिलने उमड़ पड़े।

गांव की महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं ने महुआ, चार, आम और रखियां बड़ी भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया, वहीं स्कूली बच्चों ने अपने हाथों से तैयार गुलमोहर और कनेर के फूलों के गुलदस्ते भेंट कर अपनी खुशी और सम्मान व्यक्त किया। यह स्वागत ग्रामीण संस्कृति और सादगी की जीवंत झलक बन गया। ग्राम सरोधी के पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में कटहल

और गुलमोहर के पेड़ों की छांव तले मुख्यमंत्री ने खाट पर बैठकर चौपाल लगाई और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस सहज और आत्मीय वातावरण में उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से हम आपके बीच आकर आपका हाल-चाल जानने, सुख-दुख सुनने और योजनाओं के जमीनी कियान्वयन को समझने आए हैं। यह अभियान 1 मई से 10 जून तक चलेगा, जिसमें सरकार स्वयं आपके द्वार तक पहुंचेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सुशासन तिहार सरकार की जवाबदेही और पारदर्शिता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उनका वास्तविक लाभ पहुंचे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी इसी तरह समस्याओं का संकलन कर समाधान शिविरों के माध्यम से उनका निराकरण किया गया था और इस वर्ष भी उसी प्रकिया को और अधिक प्रभावी रूप में लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उनकी सरकार को अभी महज 28 माह हुए हैं, लेकिन मोदी की गारंटी के तहत अधिकांश वादों को पूरा किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है और दो वर्षों का बकाया बोनस भी दिया गया है। उन्होंने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा कर दी गई है, जिससे वनांचल क्षेत्र के लोगों की आय में वृद्धि होगी। साथ ही रामलला दर्शन योजना और तीर्थ यात्रा दर्शन योजना के माध्यम से लोगों को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने विशेष रूप से पेयजल समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि जनसमस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के साथ और समयबद्ध तरीके से किया जाए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्राम सरोधी एवं आसपास के क्षेत्रों के लिए कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की घोषणा की। इनमें राशन पीडीएस दुकान की स्थापना, नवीन ग्राम पंचायत भवन, पूर्व माध्यमिक शाला के लिए नए भवन का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही गंडई से बकरकट्टा मार्ग का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण, तेन्दूभाठा से जोम ओटेबंध तक सड़क निर्माण, साल्हेवारा-पंडरापानी मार्ग पर मगुरदा नाला पर पुल निर्माण, पीएचसी बकरकट्टा में 108 एम्बुलेंस की तैनाती, बकरकट्टा से नवागांव सड़क का नवीनीकरण तथा क्षेत्र में 33 केवी सब स्टेशन की स्वीकृति दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, विशेष सचिव रजत बंसल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार जशपुर में हर गांव तक

पहुंच रही बेहतर इलाज की सुविधा मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन बनी सहारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के वनांचल एवं अनुसूचित जनजाति बहुल जशपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उद्देश्य है कि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार पहुंच सके। इसी दिशा में योजनाबद्ध प्रयासों से जिले में स्वास्थ्य अधोसंरचना और आपातकालीन सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन बनी सहारा, 3570 मरीजों को मिली त्वरित चिकित्सा

सहायता आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के लिए 1 अप्रैल 2026 को जिले को 23 नई एम्बुलेंस प्राप्त हुई हैं, जिनमें 3 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (ALS) और 20 बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS) एम्बुलेंस शामिल हैं। इससे गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में बड़ी सुविधा मिल रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुरू की गई मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन आमजन के लिए एक भरोसेमंद व्यवस्था बनकर उभरी है। सीएम कैंप कार्यालय बगिया में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए हेल्पलाइन के माध्यम से मरीजों को इलाज, दवाइयां, अस्पताल में भर्ती, रेफरल तथा एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। बीते 26 महीनों में लगभग 3,570 मरीजों को इस सेवा का लाभ मिल चुका है। हेल्पलाइन की विशेषता यह है कि कॉल के 5 मिनट के भीतर रिस्पांस दिया जाता है और प्रत्येक प्रकरण में 1 से 3 फॉलोअप सुनिश्चित किए जाते हैं। साथ ही, एम्बुलेंस ट्रैकिंग लिंक की सुविधा से पारदर्शिता और सुविधा दोनों बढ़ी हैं। इस हेल्पलाइन से कई जरूरतमंदों को समय पर राहत मिली है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पीएम जनमन के हितग्राही को सौंपी खुशियों की चाबी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत जारी राज्यव्यापी दौरे में आज खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड के ग्राम सरोधी में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सुभान सिंह मेरावी को उनके नवनिर्मित आवास की चाबी सौंपकर गृह प्रवेश कराया। सुभान सिंह ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मुख्यमंत्री स्वयं उनके गांव आकर उन्हें यह सौभाग्य देंगे। उनके लिए यह केवल घर नहीं, बल्कि सम्मान और विश्वास का प्रतीक है।बउन्होंने बताया कि उन्हें वन अधिकार पट्टा के तहत 3 एकड़ 2 डिसमिल भूमि मिली है, जिस पर खेती कर वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर

रहे हैं। साथ ही उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता भी मिल रही है, जिससे घरेलू जरूरतों में सहयोग मिल रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि शासन का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मेधावी छात्र गिरवर पटेल को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार के तहत जारी राज्यव्यापी दौरे के दौरान खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड अंतर्गत ग्राम सरोधी में आयोजित जन चौपाल में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का प्रेरक क्षण देखने को मिला।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्राम बकरकट्टा के मेधावी छात्र गिरवर पटेल को सम्मानित किया। गिरवर पटेल ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में 93.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मेरिट सूची में स्थान हासिल किया है। वर्तमान में वे रायपुर स्थित प्रयास आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत हैं।

मुख्यमंत्री ने गिरवर की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रदेश का नाम रोशन करते हैं और अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने गिरवर के उज्ज्वल भविष्य

की कामना करते हुए विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि हर छात्र अपने सपनों को साकार कर सके। गिरवर पटेल का सम्मान न केवल उनकी कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि यह ग्रामीण अंचल के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण भी है।

निर्माण स्थल पर मुख्यमंत्री का श्रमदान श्रमिक बहनों के साथ

ईंट जोड़ाई अच्छे से करिएज मसाला बढ़िया से डालिएजब श्रमिक बहन ने मुख्यमंत्री को सिखाया काम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार के तहत प्रदेशभर में चल रहे औचक निरीक्षण और जनसंवाद के कम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कबीरधाम जिले के ग्राम लोखन में एक ऐसा अनुभव साझा किया, जिसने सुशासन के ध्येय को और अधिक जीवंत बना दिया। निर्माण स्थल पर मुख्यमंत्री का श्रमदान श्रमिक बहनों के साथ की ईंट जोड़ाई निर्माणाधीन पंचायत भवन के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने केवल औपचारिक समीक्षा तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने उस प्रकिया का हिस्सा बनना चुना, जो आमजन के जीवन को सीधे प्रभावित करती है। उनके इस व्यवहार ने यह स्पष्ट कर दिया कि सुशासन केवल नीति और कागज़ों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर उतरकर उसे महसूस करने और जीने की

प्रकिया है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री साय ने 'रानी मिस्त्री' के रूप में कार्य कर रहीं श्रमिक बहनों के बीच जाकर कुछ समय उनके साथ ईंट जोड़ाई में हाथ बँटाया। इसी दौरान श्रमिक बहन संगीता ने पूरे आत्मीय अधिकार और सहजता के साथ मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री से कहा - ÷ईंट जोड़ाई अच्छे से करिए, मसाला बढ़िया से डालिए।÷ यह संवाद एक सामान्य वाक्य से कहीं अधिक था; इसमें वह विश्वास झलकता है, जो आज सरकार और जनता के बीच विकसित हो रहा है। यह वह स्थिति है, जहाँ आम नागरिक बिना झिझक अपनी बात रखता है और नेतृत्व उसे उसी सहजता से स्वीकार करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें जनता के साथ मिलकर धरातल पर साकार करना है। उन्होंने कहा कि जब शासन और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता का रिश्ता बनता है, तभी विकास की प्रकिया प्रभावी और स्थायी बनती है। उनके अनुसार, यही आत्मीयता और साझेदारी सुशासन की सबसे बड़ी ताकत है। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण हों और श्रमिकों के लिए पेयजल, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। सुशासन तिहार ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि छत्तीसगढ़ में शासन केवल प्रशासनिक ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संवेदनशीलता, सहभागिता और विश्वास पर आधारित एक जीवंत व्यवस्था बन चुका है। यहाँ सरकार और जनता के बीच दूरी नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और साझेदारी का संबंध है - और यही संबंध प्रदेश के समग्र विकास की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभर रहा है।

बस्तर अब शांति और विश्वास का गढ़ राज्यपाल रमेन डेका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि बस्तर अब शांति और विश्वास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने जोर दिया कि इस सकारात्मक बदलाव को स्थायी बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, जल व पर्यावरण संरक्षण और आजीविका संवर्धन के क्षेत्रों में नवाचार आधारित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राज्यपाल आज जगदलपुर कलेक्टोरेट के 'प्रेरणा' सभाकक्ष में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल डेका ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बस्तर की समृद्ध प्राकृतिक संपदा का समुचित उपयोग करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास मॉडल तैयार करें। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षा एवं स्वास्थ्य, ड्रॉप-आउट बच्चों को पुनः स्कूलों से जोड़ने के लिए

सामुदायिक प्रयास किए जाएं। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुँचाना सुनिश्चित करें। पारंपरिक कौशल और वनोपज को आधुनिक बाजार से जोड़ने के लिए नए प्रयोग किए जाएं। जैविक खेती, बकरीपालन, कुक्कुटपालन और मत्स्य पालन जैसी सहायक कृषि गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। स्थानीय कोसा वस्त्रों के मूल्य संवर्धन के लिए उनके डिजाइन में समसामयिक बदलाव करें, ताकि वे वैश्विक बाजार में अधिक आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बन सकें। महिला स्व-सहायता समूहों को मशरूम, अदरक और हल्दी की खेती के लिए प्रेरित करें। उन्हें अलग-अलग मौसम के अनुरूप विविध उत्पाद तैयार करने और सीधे बाजार से जोड़ने में सहायता प्रदान करें। राज्यपाल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कलेक्टोरेट परिसर में आम का पौधरोपण किया और जनसहभागिता से पौधों की देखभाल करने की अपील की। कार्यकम के दौरान उन्होंने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए टीबी उन्मूलन हेतु निक्षय मित्रों को सहायता राशि और प्रमाण पत्र वितरित किए। निक्षय मित्र निधि से मरीजों को फूड बास्केट प्रदान किए। मोतियाबिंद ऑपरेशन के पश्चात हितग्राहियों को चश्मों का वितरण किया।

बैठक के दौरान कलेक्टर आकाश छिकारा ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में संचालित विकास योजनाओं और नवाचारों की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदल रही है कई परिवारों की जिंदगी कच्ची मकान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सुशासन की सरकार और संवेदनशील सरकार आवासहीन परिवारों को पक्की छत देने के लिए कृतसंकल्पित है। यह योजना न केवल लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सहायक है, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और स्थिर आवास भी प्रदान करती है। राज्य सरकार की इसी पहल से न केवल चैतलाल मरावी एवं मती सुखयारिन बाई मेरावी का सपना साकार हुआ है, बल्कि यह पहल पूरे राज्य में एक नई उम्मीद और उज्ज्वल भविष्य की किरण साबित हो रही है। आशाएं जब जीवंत रूप लेती हैं तो उसकी खुशी पूरे घर में साझा की जाती है। आज ऐसा ही एक दृश्य खैरागढ़ छुईखदान गंडई जिले के ग्राम सरोधी निवासी में देखने को मिला, जहां प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लोगों का आवास का सपना साकार हुआ है। चैतलाल मरावी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि

प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए वरदान साबित हुई है। वे पुराने दिनों की कठिनाइयों को याद करते हुए बताती हैं कि कच्चे मकान में रहना काफी तकलीफ दायक था। मौसम के अनुसार विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कभी छत टपकती थी तो कभी ठंड से रात भर नींद पूरी नहीं होती थी। अब पक्का मकान मिलने से उनकी ये समस्याएं दूर हो गई हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है,जिससे वे लोग बिना परेशानियों का अपना जीवन व्यतीत कर सकें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा